राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 30अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –274 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत को सऊदी ने दिया दिवाली तोहफा तो पाक को झटका

लंदन। सऊदी अरब ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से हटा दिया है। पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने बुधवार को ट्वीट कर यह दावा किया। उन्होंने एक तस्वीर भी ट्वीट की, जिसमें कैप्शन दिया गया था, भारत के लिए सऊदी अरब का दिवाली तोहफा-पाकिस्तान के नक्शे से गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को हटाया। न्यूज एजेंसी एएनआई ने मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया कि सऊदी अरब ने 21-22 नवंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की अपनी अध्यक्षता के लिए एक 20 रियाल (सऊदी मुद्रा) का बैंकनोट जारी किया। यह बताया गया कि बैंकनोट पर प्रदर्शित विश्व मानचित्र में गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्सों के रूप में नहीं दिखाया गया है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सऊदी अरब का कदम पाकिस्तान को अपमानित करने के प्रयास से कम नहीं है। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव पर आपत्ति जताई थी। बता दें कि पाक अक्सर हर मंच पर कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश करता रहा है और ऐसे में सऊदी का यह कदम उसके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने सितंबर में कहा था कि उन्होंने 15 नवंबर को होने वाले तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनावों के बारे में रिपोर्ट देखी है और इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार को कड़ा विरोध जताया और दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, तथाकथित गिलगित और बाल्टिस्तान सहित, भारत का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

कोरोना संकट में बढ़े सरकारी स्कूलों की तरफ रुझान, अभिभावकों के पास बढ़े स्मार्टफोन

नई दिल्ली। कोरोना संकट के दौर में उत्पन्न हुई आर्थिक असुरक्षा और पलायन ने शिक्षा क्षेत्र में भी बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। पहली बार यह देखा गया कि बच्चे निजी स्कूल छोड़कर सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं। इतना ही नहीं कोरोना संकट के चलते ग्रामीण भारत में पांच फीसदी से ज्यादा बच्चे स्कूलों में एडमिशन लेने से भी वंचित रह गए। गैर सरकारी संगठन प्रथम की असर-2020 रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। असर ने यह सर्वे सितंबर में किया। तब स्कूलों के बंदी के छह महीने पूरे हो चुके थे। इस दौरान 52227 घरों में फोन के जरिये सर्वेक्षण किया गया और यह जानने की कोशिश की गई कि ग्रामीण भारत में कैसे बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी स्कूलों में बच्चों का प्रवेश बढ़ा है। सितंबर 2020 में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लड़कों का प्रतिशत 66.4 फीसदी था जबकि सितंबर 2018 की असर रिपोर्ट में यह 62.8 फीसदी था। इसी प्रकार लड़कियों का प्रवेश 70 से बढ़कर 73 फीसदी हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी दो वजह हो सकती हैं। एक रोजगार खोने की वजह से उत्पन्न हुई आर्थिक असुरक्षा के कारण अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों का रुख किया। दूसरा श्रमिकों के शहरों से गावों में लौटने के कारण बच्चों ने गांवों के सरकारी स्कूलों में एडमिशन लिया।

सर्वेक्षण के दौरान 80 फीसदी बच्चों के पास उनकी कक्षा के हिसाब से किताबें मौजूद थी। लेकिन 20 फीसदी छात्रों के पास किताबें उपलब्ध नहीं होना भी चिंताजनक है। जो संभवत कोरोना संकट के चलते नहीं खरीद पाए। या सामान्य स्थिति में उन्हें स्कूलों से मिल सकती थी।

अभिभावकों के पास स्मार्टफोन बढ़े

कोरोना काल में ग्रामीण भारत में लोगों के पास स्मार्टफोन की उपलब्धता ने पठन-पाठन की राह आसान की। 2018 में 36.5 फीसदी अभिभावकों के पास स्मार्टफोन थे। जबकि सितंबर 2020 में हुए सर्वे में यह प्रतिशत 61.8 फीसदी तक पहुंच गया। हालांकि निजी स्कूलों के 74.2 फीसदी और सरकारी स्कूलों के 56.4 फीसदी बच्चों को स्मार्टफोन की उपलब्धता थी।

कैसे की पढ़ाई

कोरोना काल में तकनीक भी पढ़ाई में कारगर बनी। 59.7 फीसदी बच्चों ने किताबों से, 35.3 फीसदी ने वर्क शीट से, 19.6 ने टीवी से, 2.7 ने रेडियो से 21.5 ने वीडियो रिकार्डिंग से तथा 11 फीसदी ने आनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य को अंजाम दिया। 75 फीसदी बच्चों को घर में उनके परिजनों ने शिक्षण में मदद प्रदान की।

दिल्ली, झारखंड, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक प्रदूषित राज्य

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ हवा कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत सूचीबद्ध 23 राज्यों में दिल्ली, झारखंड और उत्तर प्रदेश सर्वाधिक प्रदूषित राज्यों में दर्ज किए गए हैं। कार्बन कापी और रेस्पायरर लिविंग की तरफ से किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। इस अध्ययन में 23 राज्यों में एनसीएपी में शामिल 122 शहरों में वायु निगरानी के तीन साल के आंकड़ों (2016-18) का इस्तेमाल किया गया है। जिसमें पीएम-10 की मात्रा को मुख्य आधार बनाया गया है।

कार्बन कापी और रेस्पायरर लिविंग की बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में तीन सालों के दौरान पीएम-10 की मात्रा सबसे ज्यादा रही है। झारखंड और उत्तर प्रदेश क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे हैं। जबकि पीएम 2.5 की मात्रा के हिसाब से दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे ज्यादा प्रदूषित राज्य पाए गए हैं।

पीएम 2.5 का स्तर भी बढ़ा

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में 2017 में पीएम 2.5 के स्तर में 2016 की तुलना में 14 फीसदी की कमी आई लेकिन 2018 में ज्यादातर स्थानों पर यह 21 फीसदी तक बढ़ गया। अलबत्ता पीएम -10 के स्तर में लगातार कमी दिखी। 2016 में यह 274 था जो 2018 में घटकर 225 माइक्रोन प्रति क्यूबिक मीटर तक आ गया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पीएम 10 की मात्रा 2016 में 214 दर्ज की गई जो 2017 में 244 और 2018 में घटकर 217 रह गई।

पीएम 2.5 की मॉनिटरिंग 2017 से उत्तर प्रदेश के केवल 5 शहरों में शुरू हुई, जिसमें लखनऊ, नोएडा और कानपुर में एक- एक मॉनिटरिंग केंद्र, गाजियाबाद में 2 मॉनिटरिंग केंद्र और आगरा में 4 मॉनिटरिंग केंद्र हैं। राज्य की राजधानी लखनऊ में पीएम 2.5 का स्तर 2017 में 102 और 2018 में 108 रहा। इस तरह से लखनऊ में पीएम 2.5 का स्तर 6 फीसदी बढ़ा। आगरा जहां राज्य के अधिकतम पीएम 2.5 मॉनिटर हैं वहां 2018 में पीएम 2.5 का स्तर 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा और 2017 में 124 मापा गया जिसके अनुसार शहर में पीएम 2.5 के स्तर में 15फीसदी सुधार हुआ।

धनबाद में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी

एनसीएपी में झारखंड का शहर धनबाद शामिल है। जहां 2016 में पीएम 10 का स्तर 226 माइक्रोन प्रति क्यूबिक मीटर था जो 2017 में 5 फीसदी बढ़कर 238 हो गया। लेकिन 2018 में इसमें रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 263 माइक्रोन तक पहुंच गया जो दिल्ली के बाद सर्वाधिक है। इस प्रकार तीन साल का औसत झारखंड का 242 माइक्रोन दर्ज किया गया। झारखंड में अभी भी पीएम 2.5 की मानीटरिंग नहीं है।

क्या होता है पीएम-10 और कितना होना चाहिए

पीएम 10 को पर्टिकुलेट मैटर कहते हैं। इन कणों का साइज 10 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास होता है। इसमें धूल, गर्दा और धातु के सूक्ष्म कण शामिल होते हैं। पीएम 10 धूल, कंस?ट्रक?शन और कूड़ा व पराली जलाने से ज्यादा बढ़ता है। पीएम 10 का सामान?य स्तर 100 माइक्रो ग्राम क?यूबिक मीटर (एमजीसीएम) होना चाहिए।

क्या होता है पीएम-2.5 और कितना होना चाहिए

पीएम 2.5 हवा में घुलने वाला छोटा पदार्थ है। इन कणों का व्यास 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। पीएम 2.5 का स्तर ज्यादा होने पर ही धुंध बढ़ती है। विजिबिलिटी का स्तर भी गिर जाता है। इसके बढ़ने से आंख, गले और फेफड़े की तकलीफ बढ़ती है। पीएम 2.5 का सामान?य स्तर 60 माइक्रो ग्राम क्यूबिक मीटर होना चाहिए।

सजा पूरी कर चुके भारतीयों को कैद रखने पर कोर्ट ने लगाई इमरान सरकार को फटकार

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सजा पूरी कर कर चुके भारतीयों को भी कैद रखने पर पाकिस्तान सरकार को फटकार लगाई है. पाकिस्तान ने इन भारतीय नागरिकों को आतंकवाद और जासूसी के झूठे मामलों में कैद कर रखा है. इस्लामाबाद कोर्ट ने पाकिस्तान सरकार को इन्हें तत्काल रिहा करने और भारत वापस भेजने का आदेश दिया है.

8 भारतीयों की याचिका पर सुनवाई

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने ये आदेश आठ भारतीय नागरिकों द्वारा उनकी रिहाई के लिए दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया. चीफ जस्टिस अतर मिनल्लाह की अदालत के समक्ष आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने इस संबंध में अपनी रिपोर्ट पेश की है. पाकिस्तान के डिप्टी अटॉर्नी जनरल सैय्यद मुहम्मद तैय्यब शाह ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि 26 अक्तूबर 2020 को पांच भारतीयों को सजा पूरी करने के बाद रिहा किया गया है.

अगली सुनवाई 5 नवंबर को-वहीं भारतीय उच्चायोग की तरफ से अदालत को बताया गया कि भारतीय नागरिकों में से एक अपनी सजा पूरी करने के बावजूद वापस नहीं जाना चाहता, उसे डिपोर्ट किया गया है. वहीं तीन नागरिकों को सजा सुनाए जाने के बावजूद कैद रखा गया है. कोर्ट ने इसीके बाद सरकार को फटकार लगाई. जस्टिस मिनल्लाह ने बेहत तल्ख अंदाज में कहा, 'जब इनकी सजा पूरी हो चुकी है तो आप कैद कैसे रख सकते हैं?' मामले की अगली सुनवाई 5 नवंबर को होगी.

बाजवा के पैर कांप रहे थे, चेहरे पर था पसीना...भारत के खौफ से पाकिस्तान ने अभिनंदन को छोड़ा

यह खौफ उस वक्त भी देखने को मिला, जब भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन पाक वायुसेना का पीछा करते-करते पाकिस्तान में चले गए थे। पाकिस्तान को उस वक्त भारत से हमले का डर सता रहा था और इसी खौफ की वजह से उसने अभिनंदन को रिहा किया था। इसका दावा पाकिस्तान के सांसद एयाज सादिक ने किया है। पाकिस्तान के सांसद अयाज सादिक ने भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को लेकर सनसनीखेज खुलासा किया है

इस्लामाबाद। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान को अक्सर भारत के हमले का भय सताता रहता है। यह खौफ उस वक्त भी देखने को मिला, जब भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन पाक वायुसेना का पीछा करते-करते पाकिस्तान में चले गए थे। पाकिस्तान को उस वक्त भारत से हमले का डर सता रहा था और इसी खौफ की वजह से उसने अभिनंदन को रिहा किया था। इसका दावा पाकिस्तान के सांसद एयाज सादिक ने किया है। पाकिस्तान के सांसद अयाज सादिक ने भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को लेकर सनसनीखेज खुलासा किया है और दावा किया है कि भारत से हमले के डर की वजह से पाकिस्तान ने जल्दबाजी में विंग कमांडर अभिनंदन को रिहा किया था। उन्होंने संसद में बुधवार को यह दावा किया। अभिनंदन को पिछले साल फरवरी में पाकिस्तानी वायुसेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान उनका मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया था।

सांसद अयाज सादिक ने कहा कि भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन को लेकर बुलाई गई बैठक में खुद पीएम इमरान खान ने आने से इनकार कर दिया था। उसमें पाक आर्मी चीफ आए तो मगर उनके पैर कांप रहे थे और चेहरे पर पसीना था, कहीं भारत अटैक न कर दे। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर अभिनंदन को सीमा पार नहीं जाने देंगे तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा।

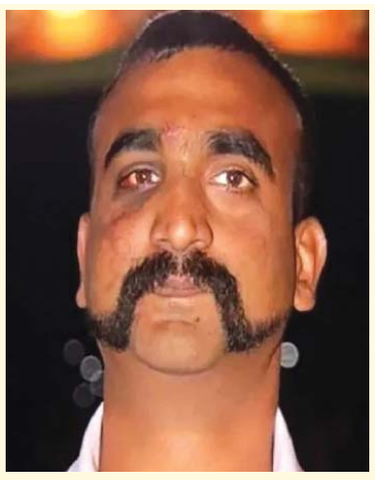

वह आगे कहते हैं, कुलभूषण के लिए हम अध्यादेश लेकर नहीं आए थे। इस सरकार ने एक-दो महीने अध्यादेश छिपाकर रखा। हमने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इतनी एक्सेस नहीं दी थी जितनी इस सरकार ने। उन्होंने आगे कहा- मुझे याद है शाह महमूद साहब उसे मीटिंग में थे, जिसमें प्रधानमंत्री साहब ने आने से इनकार कर दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ आए लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और पसीने माथे पर थे।

सादिक ने आगे कहा, विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी साहब ने इस मीटिंग के दौरान कहा कि खुदा का वास्ता है कि अभिनंदन को वापस भारत जाने दें, क्योंकि 9 बजे रात को हिन्दुस्तान पाकिस्तान के ऊपर हमला कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई हिन्दुस्तान को कोई हमला नहीं करना था, बल्कि इन्होंने घुटने टेंक कर वापस अभिनंदन को भेजना था। जो इन्होंने किया।

इस दावे के बाद भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसे लेकर राहुल गांधी पर हमला बोला है। संबित पात्री ने ट्वीट करते हुए लिखा, राहुल जी, आप सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठा रहे थे ना? जरा देखिए मोदी जी का क्या खौफ है पाकिस्तान में सरदार अयाज सादिक बोल रहे है पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में की पाक के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पैर कांप रहे थे और चेहरे पर पसीना था, कहीं भारत अटैक न कर दे! समझें?

गौरतलब है कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर हमला किया गया था, जिसमें 40 अर्धसैनिक बलों के जवान शहीद हुए थे। इसके बाद 26 फरवरी को भारतीय वायुसेना के जवानों ने इसके जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में आधी रात को हमला कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविर को ध्वस्त कर दिया था। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में भारत पर जवाबी कार्रवाई की कोशिश की,, मगर उसके सभी मंसूबों को भारतीय जवानों ने नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान ने एयर टू एयर मिसाइल दागने के लिए अपने सबसे अडवांस विमान एफ-16 का इस्तेमाल किया। वहीं मिराज-IIIएस को ग्राउंड मिसाइल हमले के लिए इस्तेमाल किया। उसी दौरान भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने अपने मिग-21 से आर-73 मिसाइल दागते हुए पाकिस्तान का एफ-16 लड़ाकू विमान गिरा दिया था। लेकिन इस दौरान उनका मिग-21 विमान क्रैश हो गया और वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जा गिरे थे। वहां पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया था। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान पर काफी दबाव बनाया गया, जिसके बाद अभिनंदन को अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत वापस लौटाया गया था।

कोरोना वैक्सीन-मार्च तक खत्म हो सकते हैं स्पूतनिक V के भारतीय परीक्षण, डॉ रेड्डी की लैब ने दी जानकारी

नई दिल्ली। डॉ रेड्डी की दवाई बनाने वाली लैब ने बुधवार को रूसी कोरोना वैक्सीन के ट्रायल की शुरुआती समयसीमा निकाली है। जिसमें बताया गया है कि मार्च 2021 के अंत तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ईरेज़ इजरायल ने कहा कि स्पुतनिक-V वैक्सीन के मध्य चरण के परीक्षण के लिए नामांकन अगले कुछ हफ्तों में शुरू होगा और दिसंबर तक परीक्षण समाप्त होने की संभावना है। इजरायली ने प्रेस ब्रीफइंग में कहा (चरण 3 का परीक्षण) मार्च के अंत तक तेज़ हो सकता है, लेकिन यह अप्रैल या मई में भी जा सकता है, उन्होंने ये भी कहा कि टाइमलाइन को जोड़ना चरण 2 के परीक्षण परिणामों और अधिकारियों से आगे की मंजूरी पर निर्भर करेगा। कोरोना वायरस पर काबी पाने के लिए भारत वैक्सीन पर ही अपनी उम्मीदें टिका कर बैठा है। चल रहे त्योहारी सीजन और राज्य विधानसभा चुनाव को स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा प्रकोप से जुड़ी चुनौतियों से जोड़कर देखा जाता है। हैदराबाद स्थित कंपनी को सितंबर में रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद, इस महीने की शुरुआत में स्पुतनिक-ङ्क वैक्सीन के भारत में देर से नैदानिक परीक्षणों के लिए नए सिरे से मंजूरी मिली थी। कंपनी को उम्मीद है कि मिड-स्टेज ट्रायल के लिए 100 प्रतिभागी और लेट-स्टेज के लिए 1,500 लोग दाखिला लेंगे।

1 नवंबर से बदल जाएंगे ये 7 नियम, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। देश में 1 नवंबर से आपके रोजाना की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं और सर्विस से जुड़े सात नियमों में बदलाव होने वाला है जिसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ने वाला है। रसोई गैस सिलेंडर (रुक्ल) से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने वाला है। एक नवंबर से सिलेंडर बिना ओटीपी के नहीं मिलेगा। अब आपके घरेलू गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की प्रक्रिया पहले जैसी नहीं होगी। 1 नवंबर से सिलेंडर की कीमतों में भी बदलाव होगा।

बदलेगा सिलेंडर मंगाने का तरीका

चोरी रोकने और सही ग्राहक की पहचान के लिए तेल कंपनियां नया एलपीजी सिलेंडर का नया डिलीवरी सिस्टम 1 नवंबर से लागू करने वाली हैं। इस नए सिस्टम को ष्ठ्रष्ट का नाम दिया जा रहा है यानी डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड। पहले 100 स्मार्ट सिटी में यह सिस्टम लागू होगा। केवल बुकिंग करा लेने भर से सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होगी। आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक कोड भेजा जाएगा उस कोड को जब तक आप डिलीवरी ब्वाय को कोड नहीं दिखायेंगे तब तक सिलेंडर की डिलीवरी नहीं होगी। अगर किसी कस्टमर का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है तो डिलीवरी ब्वाय के पास के ऐप होगा, जिसके जरिए वह रियल टाइम अपना नंबर अपडेट करवा लेगा और उसके बाद कोड जनरेट हो जाएगा। ये सिस्टम कमर्शियल सिलेंडर पर लागू नहीं होगा।

बदलेंगी एलपीजी सिलेंडर की कीमतें

हर महीने की पहली तारीख को ऑयल कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतें तय करती हैं। ऐसे में 1 नवंबर को सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। अक्टूबर में ऑयल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा में पैसा जमा कराने के बदलेंगे नियम

बैंक ऑफ बड़ौदा में अब अपना पैसा जमा करने और निकालने के लिए भी फीस देना पड़ेगी। 1 नवंबर से तय सीमा से ज्यादा बैंकिंग करने पर अलग से शुल्क लगेगा। इस पर बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, एक्सिस और सेंट्रल बैंक भी जल्द फैसला लेंगे। बैंक ऑफ बड़ौदा ने चालू खाते, कैश क्रेडिट लिमिट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट से जमा-निकासी के अलग और बचत खाते से जमा-निकासी के अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए हैं। लोन अकाउंट के लिए महीने में तीन बार के बाद जितनी बार ज्यादा पैसा निकालेंगे, 150 रुपये हर बार देने पड़ेंगे। बचत खाते में तीन बार तक जमा करना मुफ्त मगर चौथी बार जमा किया तो 40 रुपये देने होंगे। वरिष्ठ नागरिकों को भी बैंक ने कोई राहत नहीं दी है।

रेलवे बदलेगा ट्रेनों का टाइम टेबल

इंडियन रेलवे पूरे देश की ट्रेनों के टाइम टेबल को बदलने जा रहा है। पहले ट्रेनों की टाइम टेबल 1 अक्टूबर से बदलने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से इसे आगे बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर की तारीख को फाइनल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वादे हैं वादों का क्या

कोरोना वायरस के संक्रमण ने दुनिया के सामने जिस तरह का संकट पेश किया है, उसमें रहीम को याद किया जाना बहुत जरूरी है। वह कहते हैं- रहिमन विपदा हू भली, जो थोरे दिन होय/ हित अनहित या जगत में, जान परत सब कोय। यानी अगर विपदा थोड़े दिन के लिए आ जाए, तो वह बेहतर होती है, इससे इस बात की परख हो जाती है कि इस दुनिया में कौन हमारा सच्चा हितैषी है और कौन नहीं। हालांकि, यहां प्रसंग रहीम का नहीं, बल्कि यू-गॉव कैंब्रिज ग्लोबलिज्म प्रोजेक्ट के एक सर्वे का है। 2020 में हुए इस सर्वे के नतीजे लगभग वही कह रहे हैं, जो सदियों पहले रहीम ने कह दिया था। दुनिया के 25 देशों में यह सर्वे इस बात पर किया गया कि लोकलुभावन वादे और बड़ी-बड़ी बातें करने वाले राजनेताओं की लोकप्रियता कोरोना वायरस संकट के दौरान कैसी है? यह सर्वेक्षण एक ऐसे दौर में हुआ है, जब पिछले एक दशक से हमें यह लगने लगा है कि दुनिया भर में लोकलुभावन वादे करने वाले नेताओं का दौर लौट आया है। बेशक यह दौर कोरोना वायरस संकट से पहले ही आ गया था, लेकिन यह संकट उनके वादों, उनकी बातों और उनकी क्षमताओं का इम्तिहान बन गया। हालांकि, यह पूरा सर्वेक्षण मूल रूप से यूरोप केंद्रित है, लेकिन पूरी दुनिया की राजनीति के लिए इसके सबक बहुत महत्वपूर्ण हैं। खासकर, उन लोकतांत्रिक देशों में, जहां खुली स्पर्द्धा से नेतृत्व का रास्ता तैयार होता है। एक तरफ ऐसे खुले समाजों में आगे बढ़ने की संभावनाएं अनंत होती हैं, तो दूसरी तरफ यह खुलापन राजनीति को लोकलुभावन होने की जमीन भी देता है। सर्वेक्षण बताता है कि ऐसे नेताओं की लोकप्रियता काफी तेजी से घटी है। जब लोग यह उम्मीद कर रहे थे कि हमारे नेता हमें संकट से निकाल लेंगे, तो ऐसे नेता उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। सर्वेक्षण में यह पाया गया कि यूरोप के जिन भी देशों में इस तरह के दलों और नेताओं की सरकारें हैं, उन सभी में ऐसे नेताओं की लोकप्रियता तेजी से घटी है। यह बात अलग है कि किसी में कम तेजी से घटी है और किसी में बहुत तेजी से। मसलन, अगर हम डेनमार्क को लें, तो वहां ऐसे नेताओं की लोकप्रियता पहले के मुकाबले महज 22 फीसदी रह गई है। ब्रिटेन और जर्मनी में यह गिरावट कम है। उन नेताओं की लोकप्रियता भी काफी गिरी है, जो जब सत्ता में नहीं थे, तो लोगों को यह बताते थे कि देश दो हिस्सों में बंटा हुआ है, एक तरफ, आम लोग हैं और दूसरी तरफ, भ्रष्ट प्रभु-वर्ग है, जो आम लोगों का विकास नहीं होने देता। और लोगों ने पाया कि बाद में जब ऐसे नेता खुद सत्ता में आए, तो उनकी स्थिति में जरा भी फर्क नहीं ला सके। तो क्या इसके बाद हम यह मान लें कि लोग अब पूरी तरह समझ गए हैं और भविष्य में वे किसी के भी झांसे में नहीं आएंगे? शायद इस सवाल का जवाब इतना सीधा नहीं है। सच सामने आ गया है, लेकिन बहुत खुश होने की जरूरत भी नहीं है। एम्सटर्डम यूनिवर्सिटी के राजनीतिक समाजशास्त्री मथिजिस रुदजिन का कहना है कि कोरोना वायरस ने इनकी सच्चाई जरूर दिखा दी है, लेकिन इसने आर्थिक संकट भी पैदा किया है, जो भविष्य के लिए लोकलुभावन राजनीति की एक नई जमीन तैयार कर सकता है।

आज के ट्वीट

कृपा

बीजेपी में 70% विधायक व सांसद ऐसे है जो मोदी जी की कृपा से बने हैं, नहीं तो ये गाँव के सरपंच के लायक भी नहीं हैं।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

म्यांमार की चुनौतियां और भारतीय हित

जी पार्थसारथी

हाल ही में भारत के सेनाध्यक्ष जनरल मनोज विक्रम नरवाणे और विदेश सचिव हर्षवर्धन सिंगला म्यांमार के संयुक्त दौरे पर गए थे। उत्तर-पूर्व का यह पड़ोसी मुल्क, जिसके साथ हमारी 1644 कि.मी. लंबी थलीय सीमा रेखा है, से रिश्तों को भारत कितना महत्व देता है, यह यात्रा परिचायक है। यह सीमा रेखा उत्तर में चीन से लेकर दक्षिण में बांग्लादेश तक साझी है। म्यांमार के साथ राजनीतिक संबंध अच्छे रहने के बावजूद द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग 1990 तक काफी कम था। इसके पीछे मुख्य कारणों में एक है म्यांमार की एकाकीपन रखने वाली आर्थिक नीति। दोनों मुल्कों के हथियारबंद पृथकतावादी गुट सीमा के आर-पार अपनी गतिविधियां चलाते हैं। इनमें भारत के असम का 'उल्फा' एवं नागालैण्ड का 'एनएससीएन (आईएम)', म्यांमार का 'काचिन मुक्ति संगठन' और 'अराकान आर्मी' प्रमुख हैं। ये आपस में गठजोड़ करके एक-दूसरे की मदद करते आए हैं जबकि सरकारों के बीच आपसी सुरक्षा सहयोग न्यूनतम या कहें लगभग नगण्य था। 1990 के दशक में भारत और म्यांमार प्रशासन नजदीक आए और सीमापारीय विद्रोही गतिविधियों और नशा तस्करी से निपटने के लिए संधि की। ये समझौते दोनों मुल्कों के सशस्त्र पृथकतावादियों को नाथने में काफी प्रभावशाली रहे हैं। म्यांमार के काचिन मुक्ति संगठन की मदद लेकर भारत के पृथकतावादी चीन के युन्नान प्रांत में सुरक्षित पनाह और सैन्य मदद लेते रहते हैं। इस काम में चीन की सरकारी एजेंसियां अंदरखाते सहयोग करती हैं। 1990 के दशक में ब्रिटेन-अमेरिका के नेतृत्व में म्यांमार पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों के कारण नकदी की तंगी ने उसको चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर बना डाला। हालांकि उसने पड़ोसी देश जैसे कि भारत और थाइलैंड, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ संबंध सुधारे हैं। म्यांमार भारत के उन पृथकतावादियों से सख्ती से पेश आता है जो इसकी सीमा से होकर चीन की सुरक्षित पनाहगारों तक आते-जाते रहते हैं। म्यांमार सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए कुछ खास महत्व नहीं रखता। रोहिंग्या मुस्लिमों के प्रति नस्लीय हिंसा और कथित मानवाधिकार हनन करने की एवज में अमेरिका और सहयोगी पश्चिमी मुल्कों ने म्यांमार पर आर्थिक प्रतिबंध जड़ दिए हैं। रोहिंग्या मुसलमान ज्यादातर म्यांमार के राखिने प्रांत के बाशिंदे हैं, जिसकी सीमा भारत और बांग्लादेश से लगती है। अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार पर आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर रखे प्रस्ताव को चीन ने वीटो कर रखा है। रोहिंग्या शरणार्थियों की वापसी और पुनर्वास के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने म्यांमार के पड़ोसी मुल्कों और जापान से साथ मिलकर कोई ठोस योजना बनाने पर भी सहयोग नहीं किया है। अमेरिका एवं यूरोपियन यूनियन की इस नीति से चीन सबसे ज्यादा फायदे में है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में अपने खिलाफ रखे गए कथित मानवाधिकार हनन प्रस्ताव को वीटो करवाने के लिए म्यांमार को उस पर पूरी तरह आश्रित होना पड़ा। म्यांमार की इस मजबूरी का चीन अब पूरी तरह दोहन कर रहा है। वह बंगाल की खाड़ी के तट पर क्याक्फयू बंदरगाह का विकास कर रहा है। चीन के युन्नान प्रांत तक रेल और सड़क संपर्क मार्ग बनने हैं। चीनी कंपनियां म्यांमार में मौजूद खनिज और कीमती पत्थरों के खनन करने को अधिक संख्या में पहुंचने लगी हैं। इसके अलावा चीन ने म्यांमार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह में जुटे 26 जातीय गुटों से निकट संबंध बना रखे हैं, इनमें 12000 से 15000 लड़ाकों वाला ताकतवर गुट काचिन मुक्ति संगठन भी एक है। इसके कारकुन भारत और चीन के सीमांत सघन जंगली इलाकों में आवाजाही करते रहते हैं। चीन इन गुटों को बतौर एक औजार म्यांमार के अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी करने और प्रभाव बनाने के लिए करता है। यहां तक कि चीन ने इनसे समन्वय बनाने को बाकायदा एक 'राजदूत' नियुक्त कर रखा है। देश के नए संविधान का प्रारूप तय करने के सिलसिले में ये गुट इन दिनों म्यांमार सरकार द्वारा आयोजित वार्ता में भाग ले रहे हैं। अपने इस प्रभाव का इस्तेमाल वह चीनी कंपनियों को बुनियादी ढांचा और अन्य विकास परियोजनाओं में ठेके दिलवाने के लिए भी करता है। भारत के सीमा सड़क संगठन ने मणिपुर के मोरेह और म्यांमार के क्लेम्यो को जोड़ने वाली सड़क बनाकर बढ़िया काम कर दिखाया है। इससे भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों और मांडले के बीच व्यापार के दरवाजे खुल गए हैं। हालांकि 'कालादन कॉरीडोर' नामक महत्वपूर्ण योजना के काम में देरी हो रही है। इस परियोजना के तहत मिजोरम और भारत के अन्य उत्तर-पूर्वी सूबों की पंहुच बंगाल की खाड़ी के तट पर सित्वे बंदरगाह तक हो जाएगी, जो कोलकाता से कुछ ही दूरी पर है। म्यांमार के विद्रोही गुट अराकान आर्मी के हमलों की वजह से इस कॉरीडोर के काम में देरी हो रही है। हालांकि दोनों देशों के सेनाओं ने सीमांत क्षेत्र में बने अराकान आर्मी के कुछ ठिकानों को ध्वस्त किया है। भारत-म्यांमार के बीच पिछले साल का व्यापार निरुत्साहित करने वाले स्तर पर यानी महज 1.2 खरब डॉलर मूल्य का है, इसमें भारत से किया जाने वाला निर्यात 97.3 करोड़ डॉलर का था। जहां भारत की सरकारी कंपनी ओएनजीसी ने समुद्र में तेल खोज करने में अच्छा काम कर दिखाया है वहीं हमारा निजी क्षेत्र म्यांमार में जापान, चीन और आसियान संगठन की कंपनियों के मुकाबले निवेश करने में कुछ खास नहीं कर पाया है। तथापि दोनों मुल्कों के बीच सैन्य सहयोग में बढ़ोतरी होने जा रही है। इस सिलसिले में भारत 'किलो' श्रेणी की पनडुब्बी और तारपीडो देने के अलावा 105 मि.मी. तोपें, राडार और सोनार प्रणाली मुहैया करवाएगा। इसके लिए वार्ता का दौर जारी है। भारतीय सेनाध्यक्ष और विदेश सचिव के म्यांमार दौरे में दोनों मुल्कों के बीच संबंधों के तमाम पहलुओं पर नजरिए का आदान-प्रदान हुआ है। भारतीय शिष्टमंडल ने म्यांमार के दो सबसे ज्यादा ताकतवर नेताओं से मुलाकात की है। इनमें एक हैं स्टेट कांउसलर आंग सान सू की, जो फिलवक्त आगामी 8 नवम्बर को होने वाले चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और दूसरे हैं रक्षा विभाग के अध्यक्ष और वरिष्ठ जनरल मिंग ओंग ह्लैंग। हालांकि जनरल ह्लैंग के हालिया बयानों से संकेत मिलता है कि इस चुनाव में सेना का झुकाव नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी की अध्यक्ष सू की पर न होकर पूर्व सेना अधिकारी के नेतृत्व वाली यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवेलपमेंट पार्टी की तरफ होगा। देश में काफी लोकप्रिय और करिश्माई नेता सू की और सेना के बीच लंबे अर्से से खींचतान रही है और यह प्रसंग वहां की मौजूदा राजनीति और जिंदगी का आम पहलू बना हुआ है परंतु बंगाल की खाड़ी में, जहां चीन मौके की ताड़ में है, क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए चली आ रही रोहिंग्या समस्या को सुलझाना जरूरी है। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत पड़ेगी। भारत को चाहिए कि अपने 'क्वाड' सहयोगियों को साथ लेकर सक्रिय भूमिका निभाए। नौ लाख रोहिंग्या शरणार्थियों का सारा बोझ अकेले बांग्लादेश को उठाना पड़े, यह उम्मीद करना जायज नहीं होगा। इस मुद्दे को लेकर म्यांमार और बांग्लादेश के बीच तनाव जारी है और इसका हल केवल तभी निकल पाएगा जब अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी साथ जुड़ेगी।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

सौंदर्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सत्यम् शिवम् के साथ परमात्मा की तीसरी विशेषता बताई गई है सुंदरम् की। सुंदरता ही उसे प्रिय है। उसका अंशी होने के नाते जीवात्मा भी हर सुंदर वस्तु को देखकर आकृष्ट होती है। प्रकृति के मनोरम दृश्य, हरियाली, पुष्पों से लदे उद्यान को देखकर किसका मन नहीं पुलकित होता? सौंदर्य की ओर आकर्षण अंतरतम् की अभिव्यक्ति है, जो शात सौंदर्य की खोज करती है तथा उसे प्राप्त करने की सतत् प्रेरणा देती है। शास्त्रों में वर्णन है कि बाह्य स्वरूप की दृष्टि से सुंदर प्रतीत होने वाला संसार मिथ्या है अर्थात् जिन बाहरी वस्तुओं में सौंदर्य दिखाई पड़ता है, वे भ्रम मात्र हैं। फिर उनके प्रति आकर्षण बोध क्यों होता है? इसका उत्तर ऋषि देते हैं कि अपना आपा ही आकर्षित होकर विविध वस्तुओं एवं संसार को सुंदर बनाता है। सौंदर्य का दिग्दर्शन इस आरोपण की प्रतिक्रिया मात्र है, जो जड़ वस्तुओं को भी सौंदर्ययुक्त बना देता है। तथ्य तो यह है कि शात सौंदर्य का केंद्र बिन्दु अंतरात्मा है। सौंदर्य की धाराएं यहीं से प्रस्फुटित होतीं हैं तथा गोमुख से निकलने वाली गंगा की भांति समस्त जड़-चेतन में सौंदर्य का अभिसिंचन करती हैं। यह मूल स्त्रोत यदि अपने प्रवाह को रोक दे तो सर्वत्र कुरूपता ही दिखाई पड़ने लगे। प्रतिच्छाया पड़ने मात्र से संसार एवं संबंधित वस्तुएं इतनी अनुपम प्रतीत हो सकती हैं, तो उनका मूल स्वरूप कितना विलक्षण, अनिर्वचनीय हो सकता है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कल-कल करती तीव्र वेग से बहती गंगा को देखकर मन को तृप्ति एवं शांति मिलती है। गंगा इतनी शांत एवं तृप्तिदायक हो सकती है, तो उसका मूल स्त्रोत गोमुख का दृश्य कितना दिव्य, अनुपम एवं मनोरम होगा, इसकी तो मात्र कल्पना ही की जा सकती है अथवा वे अनुभव कर सकते हैं जो गोमुख के निकट जाकर दिव्य दर्शन का लाभ उठा चुके हैं। सौंदर्य की ओर आकर्षण स्वाभाविक है पर देखा यह जाता है कि वस्तुओं एवं व्यक्तियों के प्रति यह आकर्षण कुछ ही समय तक रहता है और एक अवधि के बाद धीरे-धीरे विकर्षण में बदल जाता है और फिर मन रमण करने के लिए नये स्त्रोतों की खोज करने लग पड़ता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

भाषा की कसौटी पर न हो संवेदना की परख

उमेश चतुर्वेदी

चार महीने के अंतराल पर दुनिया के सामने आई दो कहानियों में कई समानताएं हैं। हाल ही में अल्मोड़ा की हंसी प्रहरी की कहानी और चार महीने पहले सामने आई इंदौर की रईसा अंसारी में समानता इतनी ही नहीं है कि दोनों की जिंदगी फुटपाथ से जुड़ी है। दोनों की कहानियां मीडिया के जरिए सामने आईं। इंदौर की रईसा फुटपाथ या ठेले पर फल बेचकर गुजारा करती है तो अल्मोड़ा की हंसी प्रहरी हरिद्वार में भीख मांग कर गुजारा करती है। दोनों की कहानियां दर्द से भरी हैं। उनकी जिंदगी में जो गुजरा या गुजर रहा है, उससे हमदर्दी होनी ही चाहिए। समाज से उन्हें हरसंभव ऐसी मदद मिलनी ही चाहिए ताकि उनकी जिंदगी बेहतर हो सके। लेकिन दोनों कहानियों में एक बात गौर करने लायक है। इंदौर की रईसा अंसारी की कहानी पर दुनिया का ध्यान तब गया जब इंदौर नगर निगम के कर्मचारियों ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर उनका ठेला हटाने की कोशिश की। इसके बाद तो जैसे मामूली फल बेचने वाली वह महिला काली बन गई और उसने फर्राटेदार अंग्रेजी में निगम कर्मचारियों को खरीखोटी सुनानी शुरू कर दी। इसके बाद लोगों का ध्यान गया। आखिर फल बेचने वाली महिला भला अंग्रेजी कैसे बोल सकती है। कुछ ऐसी ही स्थिति अल्मोड़ा की हंसी प्रहरी की भी रही। हरिद्वार में मैली-कुचैली अवस्था में बैठी एक भिखारिन को लोगों ने धाराप्रवाह अंग्रेजी में अपने बच्चे को पढ़ाते देखा। इसके बाद मीडिया का ध्यान उन पर गया। फिर तो अंग्रेजी बोलने वाली महिला की बदहाली सुर्खियां बन गई। दोनों ही महिलाओं की बदहाली बड़ी घटना नहीं है। अव्वल तो होना यह चाहिए कि महिलाओं की बदहाली पर हमारा ध्यान जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इन दोनों की बदहाली पर ध्यान दुनिया का इसलिए गया क्योंकि दोनों ही महिलाएं अंग्रेजी बोल रही थीं। वह भी धारा प्रवाह। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमारे यहां अंग्रेजी बोलना पढ़ा-लिखा होने की पहचान ही नहीं, सुसंस्कृत होने की गारंटी है। 1835 में मैकाले ने भारत की शिक्षा व्यवस्था बदलने और ज्ञान-विज्ञान की धरती पर अंग्रेजी की पकड़ बढ़ाने और अंग्रेजी माध्यम के जरिए नए दौर का ज्ञान देने की जो नीति प्रस्तुत की, उसने बीसवीं सदी आते-आते देश और समाज के हर वर्ग और क्षेत्र को अपने घेरे में ले लिया। अंग्रेजी आधुनिकता और विद्वता का पर्याय बन गई। वह समृद्धि का भी प्रतीक बनी। अच्छे पदों और ऊंचे वेतन वाली नौकरियां हों या फिर राजनीति के शीर्ष पद, हर जगह अंग्रेजी जानने और बोलने वालों की ही पूछ और परख बढ़ी। अंग्रेजी में जिसे ऑब्सेशन कहते हैं, अंग्रेजी को लेकर हमारा समाज पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गया। इसका असर नौकरशाही पर भी नजर आता है। अब भी नीतियां अंग्रेजी में ही बनती हैं क्योंकि नीतियां बनाने वालों को अंग्रेजी ही ज्यादा आती है, वे अंग्रेजी में ही सोचते हैं। अंग्रेजी शिक्षा का एक असर यह भी हुआ है कि गांवों तक के बच्चे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा हासिल करने के बाद भारत की जमीनी हकीकत और संस्कृति के असल रंग, दोनों भूल जाते हैं। चूंकि वे सांस्कृतिक रूप से भी कट जाते हैं, लिहाजा जब भी नीतियां बनती हैं, ज्यादातर मामलों में वे जमीनी वास्तविकता से दूर होती हैं। भारत में गोरे रंग और अंग्रेजी को लेकर देवत्व बोध करीब एक सौ साठ साल की ही बात है क्योंकि मैकाले ने भले ही भारतीय शिक्षा व्यवस्था को बदलने की नीति 1835 में प्रस्तुत की थी, लेकिन उसके खिलाफ पूरा देश खड़ा हो गया था और सही मायने में उसे 1860 में ही लागू किया जा सका। पहले स्वाधीनता संग्राम में नाकामी के बाद अंग्रेजी सरकार को भारतीय शिक्षा व्यवस्था का अंग्रेजीकरण करने में ज्यादा मदद मिली। इसके बाद के काल को भारत में पुनर्जागरण का काल कहा जाता है। अंग्रेजी को राजा राममोहन राय ने भारत की दीवार की ऐसी खिड़की बताया, जो बाहर खुलती थी और जिसके जरिए ताजी हवा का झोंका आता था। बेशक इस पुनर्जागरण के दौरान भारत ने नए मूल्य गढ़े, सती प्रथा का अंत किया, विवाह और उत्तराधिकार को लेकर स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया शुरू की लेकिन इस दौरान जो सोच विकसित होनी शुरू हुई, उसने हमें अपनी जड़ों से काटा भी। यही वजह है कि हमें किसी हंसी प्रहरी या रईसा अंसारी के वाजिब दर्द का पता नहीं चलता, जब तक वह देसी जुबान और अपनी भाषा में बात करती है लेकिन जैसे ही वह अंग्रेजी बोलने लगती है, हमारी छठी इंद्रिय जैसे जागृत हो जाती है। फिर हममें यह समझने-समझाने की होड़ लग जाती है कि अंग्रेजी बोलने वाले के साथ नाइंसाफी हो रही है। इसका एक बोध यह भी होता है कि क्या जो अंग्रेजी नहीं बोल पाता, या जिसने अंग्रेजी नहीं पढ़ी है, उसकी जिंदगी की चुनौतियों-परेशानियों की ओर हमारा ध्यान नहीं जाना चाहिए। हम हंसी या रईसा अंसारी के साथ खड़े जरूर हों, लेकिन सिर्फ इसलिए नहीं कि वे अंग्रेजी जानती हैं या बोल पाती हैं बल्कि इसलिए कि बदहाली से निकलना उनका हक है। आप इस समाचार के बारे में क्या विचार रखते हैं?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 से प्रभावित हुई भारत में सोने की खरीद, मांग में 30 प्रतिशत गिरावट

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी से जुड़े व्यवधानों तथा ऊंची कीमतों के कारण सितंबर तिमाही में भारत में सोने की मांग साल भर पहले की तुलना में 30 प्रतिशत कम होकर 86.6 टन पर आ गयी। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। विश्व स्वर्ण परिषद की तीसरी तिमाही सोना मांग ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल की सितंबर तिमाही में सोने की कुल मांग 123.9 टन रही थी। मूल्य के आधार पर, इस दौरान सोने की मांग पिछले साल के 41,300 करोड़ रुपये की तुलना में चार प्रतिशत कम होकर 39,510 करोड़ रुपये पर आ गयी।

सोने की मांग 30 प्रतिशत घटी

विश्व स्वर्ण परिषद के प्रबंध निदेशक (भारत) सोमसुंदरम पीआर ने कहा कि कोविड-19 से जुड़े व्यवधानों, कमजोर उपभोक्ता धारणा, ऊंची कीमतें और उथल-पुथल के कारण 2020 की तीसरी तिमाही में सोने की मांग 30 प्रतिशत घटकर 86.6 टन रह गयी। हालांकि यह दूसरी तिमाही से अधिक है। दूसरी तिमाही में सोने की मांग साल भर पहले की तुलना में 70 प्रतिशत कम होकर 64 टन पर आ गयी थी। तिमाही आधार पर मांग में सुधार का कारण लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील मिलना तथा अगस्त में कुछ समय के लिये कीमतों का कम होना है। उन्होंने कहा कि अगस्त में कुछ समय कीमतें कम होने से कुछ दिलचस्प लोगों को खरीदारी करने का मौका मिला। इस दौरान भारत की कुल आभूषण मांग साल भर पहले के 101.6 टन से 48 प्रतिशत कम होकर 52.8 टन पर आ गयी। मूल्य के संदर्भ में आभूषणों की मांग साल भर पहले के 33,850 करोड़ रुपये से 29 प्रतिशत गिरकर 24,100 करोड़ रुपये पर आ गयी। इस दौरान कुल निवेश मांग साल भर पहले के 22.3 टन से 52 प्रतिशत बढ़कर 33.8 टन पर पहुंच गयी।

आभूषणों की मांग में 48 प्रतिशत की गिरावट

सोमसुंदरम ने कहा, 'तीसरी तिमाही में मांग आम तौर पर मॉनसून जैसे मौसमी कारकों और पितृ-पक्ष और अधिक मास जैसी अशुभ अवधियों के कारण कम होती है। आभूषणों की मांग में 48 प्रतिशत की गिरावट आयी है, क्योंकि आभूषणों की खरीदारी में त्योहारों या शादियों का कोई समर्थन नहीं था।' इसके अलावा, उन्होंने बताया कि देश में आभूषण खरीदना एक अनुभव है और सामाजिक सुरक्षित दूरी तथा मास्क पहनने जैसी पाबंदियों ने खुदरा स्टोरों में उपभोक्ता स्तर को कम रखा है। उन्होंने कहा कि तीसरी तिमाही में भारत में 41.5 टन सोने का पुनर्चक्रण हुआ। यह साल भर पहले की समान तिमाही के 36.5 टन से 14 प्रतिशत अधिक है। सोमसुंदरम ने कहा, 'ऊंची कीमतों के कारण पुनर्चक्रण 14 प्रतिशत बढ़कर 41.5 टन पर पहुंच गया।'उन्होंने कहा कि त्योहारी मांग की उम्मीद तथा आपूर्ति श्रृंखला संबंणी बाधाओं के दूर होने से आयात में सुधार हुआ है। यह पिछली तिमाही में महज नौ टन था, जो अब बढ़कर 90.5 टन हो गया है।

सितंबर तिमाही सोने की वैश्विक मांग 19 प्रतिशत घटकर 892.3 टन : डब्ल्यूजीसी

मुंबई, वैश्विक स्तर पर सोने की मांग जुलाई-सितंबर की तिमाही में 19 प्रतिशत घटकर 892.3 टन रही। यह सोने की वैश्विक मांग का 2009 की तीसरी तिमाही से सबसे निचला स्तर है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से पैदा हुई दिक्कतों से सोने की मांग में भारी गिरावट आई है। जुलाई-सितंबर, 2019 में सोने की वैश्विक मांग 1,100.2 टन थी। सोने की वैश्विक मांग के रुख पर डब्ल्यूजीसी की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कुल मांग तो घटी है, लेकिन निवेश मांग में अच्छी वृद्धि हुई है। तिमाही के दौरान सोने की कुल निवेश मांग 21 प्रतिशत बढ़कर 494.6 टन पर पहुंच गई। इस दौरान वैश्विक स्तर पर निवेशकों ने 222.1 टन सोने की छड़ और सिक्के खरीदे। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वर्ण आधारित इलेक्ट्रॉनिकली ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के जरिये 272.5 टन सोना खरीदा। इस साल में आज की तारीख तक गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड 1,003.3 टन की बढ़ोतरी हुई है। 2019 की तीसरी तिमाही के दौरान कुल निवेश मांग 408.1 टन रही थी। इसमें से निवेशकों ने 149.4 टन सोने की छड़ और सिक्के खरीदे थे। वहीं 258.7 टन की मांग गोल्ड ईटीएफ में रही थी।

समय पर पूरी होने वाली ढांचागत परियोजनाओं से आत्मनिर्भर भारत का रास्ता खुलेगा: गडकरी

नई दिल्ली।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि समय पर पूरी होने वाली बेहतर गुणवत्ता की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंजूरी हासिल करना सबसे बड़ी समस्या है।

ईमानदार अधिकारियों को समर्थन देने की जरूरत

राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं परियोजना प्रबंधन नीति रूपरेखा (एनपीएमपीएफ) के वर्चुअल आयोजन को संबोधित करते हुए गडकरी ने बुधवार को कहा कि ईमानदार अधिकारियों को समर्थन देने की जरूरत है, अन्यथा वे निर्णय नहीं ले पाएंगे। मंत्री ने कहा, 'बेहतर गुणवत्ता की पर्यावरण अनुकूल और समय पर पूरी होने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से आत्मनिर्भर भारत का रास्ता खुलेगा।' गडकरी एमएसएमई मंत्री भी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यावरण नियमन महत्वपूर्ण हैं।

बुनियादी ढांचा आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ की हड्डी

उन्होंने कहा, 'हम पर्यावरण नियमनों से समझौता नहीं करना चाहते हैं, लेकिन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी में बहुत अधिक विलंब से हमें मौद्रिक नुकसान होता है।' गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी अधिकारियों को जमीनी स्तर पर समस्याओं की पहचान करनी चाहिए। इसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बुनियादी ढांचा आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ की हड्डी है। गोयल ने कहा, 'नव भारत में हम चाहते हैं कि सभी को गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा मसलन विश्वस्तरीय बंदरगाह, सड़कें, रेल और हवाई मार्ग उपलब्ध हों।'

सेंसेक्स 173 अंक टूटा, निफ्टी 11,700 अंक के नीचे बंद

मुंबई. स्थानीय शेयर बाजारों में मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों की समाप्ति के बीच बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव रहा और बीएसई सेंसेक्स 173 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। सूचकांक में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाली एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक, एल एंड टी और एचयूएल में गिरावट दर्ज की गयी । कारोबारियों के अनुसार वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख का भी निवेशकों पर असर हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 172.61 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,749.85 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 58.80 अंक यानी 0.50 प्रतिशत टूटकर 11,670.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में एल एंड टी रही। इसमें करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आयी। जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें टाइटन, ओएनजीसी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी शामिल हैं। लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्रा टेक सीमेंट, एचसीएल टेक, कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार अक्टूबर महीने के वायदा एवं विकल्प खंड में अनुबंधों की समाप्ति के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव रहा।

रिजर्व बैंक ने नियमों के उल्लंघन पर डीसीबी बैंक पर 22 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली. निजी क्षेत्र के डीसीबी बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि रिजर्व बैंक ने उसके ऊपर 22 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उसने कहा कि यह जुर्माना वित्तीय उत्पादों के विपणन नियमों का उल्लंघन करने पर लगाया गया। डीसीबी बैंक ने बीएसई को भेजी सूचना में बताया कि रिजर्व बैंक के 28 अक्टूबर को जारी आदेश में यह जुर्माना लगाया गया है। उसने कहा, रिजर्व बैंक ने .... ''बैंकों के द्वारा म्यूचुअल फंड या बीमा जैसे उत्पादों के विपणन व वितरण' को लेकर जारी परिपत्र में निर्देशित कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं किये जाने को लेकर डीसीबी बैंक के ऊपर 22 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक की ओर से उक्त परिपत्र 16 नवंबर 2009 को जारी किया गया था।'' रिजर्व बैंक ने आदेश में कहा है कि यह जुर्माना बैंकिंग नियमन अधिनियम 1949 के तहत रिजर्व बैंक को दी गयी शक्तियों का इस्तेमाल करते लगाया गया है।

देश का सबसे बड़ा बैंक जापान बैंक से 7,403 करोड़ रुपए कर्ज लेगा, हुआ समझौता

मुंबई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन (जेबीआईसी) के साथ एक अरब डॉलर (7,403 करोड़ रुपये) के ऋण का करार किया है। एक बयान में कहा गया है कि इस एक अरब डॉलर की राशि में से 60 करोड़ डॉलर जेबीआईसी उपलब्ध कराएगा। शेष 40 करोड़ डॉलर अन्य भागीदार बैंक एसएमबीसी, एमयूएफजी बैंक, मिजुओ बैंक और शिजुओका बैंक तथा योकाहामा बैंक द्वारा दी जाएगी। एसबीआई ने कहा कि जेबीआईसी भागीदार बैंक के सह-वित्तपोषण के हिस्से के लिए गारंटी देगा। बयान में कहा गया है कि इस ऋण के जरिये भारत में जापान की वाहन कंपनियों को समूचे कारोबारी परिचालन के लिए वित्त का सुगम प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा।

दोनों के लिए ऐतिहासिक अवसर- नागेश्वर

एबसीआई के उप प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह) सी वेंकट नागेश्वर ने कहा, 'यह एबसीआई और जेबीआईसी दोनों के लिए ऐतिहासिक अवसर है। हमारे बीच पहली बार ऐसा करार हुआ है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को हासिल करने में मदद मिलेगी।'

SBI देश का सबसे बड़ा बैंक

बता दें कि SBI 30 से ज्यादा देशों में मौजूद है। देशभर में एसबीआई बैंक 22,000 से ज्यादा ब्रांच हैं। एसबीआई के 6.6 करोड़ से अधिक ग्राहक मोबाइल बैंकिंग और एटीएम की सुविधा का उपयोग करते हैं। एसबीआई बैंक देश में सबसे ज्यादा लोन देने वाला बैंक है। 30 जून 2020 तक बैंक के पास कुल 34 लाख करोड़ रुपये की डिपॉजिट थी। एसबीआई बैंक का होमलोन में करीब 34 प्रतिशत मार्किट शेयर और ऑटो लोन सेगमेंट में लगभग 33 फीसदी हिस्सा है। बैंक के पास देश में लगभग 22,100 से अधिक शाखाओं का बड़ा नेटवर्क है। इसके साथ ही 58,500 से अधिक के ATM/CDM नेटवर्क और 62,200 से अधिक के कुल BC आउटलेट हैं। देश में इंटरनेट बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या 760 लाख और मोबाइल बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों की संख्या 170 लाख से अधिक है।

हैवल्स का दूसरी तिमाही मुनाफा 82 प्रतिशत बढ़कर 326 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली, बिजली के उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनी हैवल्स इंडिया लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की समाप्ति पर उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 81.97 प्रतिशत बढ़कर 326.36 करोड़ रुपये रहा। शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में हैवल्स ने यह जानकारी दी है। उसने कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही (जुलाई- सितंबर 2019) में उसका शुद्ध लाभ 179.34 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि जुलाई से सितंबर 2020 की अवधि में परिचालन से उसका राजस्व एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 10.16 प्रतिशत बढ़कर 2,459.49 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 2,232.65 करोड़ रुपये रहा। हैवल्स इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनिल राय गुप्ता ने कहा, ''हम मांग में आये सुधार और उसकी गति को लेकर काफी उत्साहित हैं। उपभोक्ता और आवासीय क्षेत्रों से मांग अच्छी है। हालांकि, औद्योगिक एवं अवसंरचना बिक्री कमजोर बनी हुई है, हालांकि इसमें धीरे धीरे सुधार आ रहा है।'' आलोच्य तिमाही में हैवल्स का कुल व्यय 2.83 प्रतिशत बढ़कर 2,113.92 करोड़ रुपये रहा जो कि एक साल पहले इसी तिमाही में 2,055.55 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी को स्विच गीयर श्रेणी से 370.27 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जो कि पिछले साल के मुकाबले 1.77 प्रतिशत अधिक रही।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, खाद्यान्नों की पैकिंग जूट की बोरी में करना अनिवार्य

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट और CCEA (Cabinet Committee on Economic Affairs) की बैठक में एथेनॉल की कीमतों को बढ़ाने का फैसला लिया है। सरकार ने एथेनॉल की कीमत में 5 से 8 फीसदी बढ़ोतरी कर दी है। इस बैठक में सरकार ने खाद्यान्न में 100 फीसदी और चीनी में 20 फीसदी जूट पैकेजिंग को अनिवार्य कर दिया है। इसके पीछे का मकसद है जूट पैकेजिंग में भारत को आत्मनिर्भर बनाना।

एथेनॉल की कीमत में 5 से 8 प्रतिशत वृद्धि

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने जानकारी देते हुए बताया कि एथेनॉल की कीमत में बृहस्पतिवार को 5 से 8 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी। शुगर से बनने वाले एथेनॉल की कीमत 62.65 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। बी हैवी की कीमत 57.61 रुपये और सी हैवी की कीमत 45.69 प्रति लीटर कर दी गई है। इससे चीनी मिलों के हाथ में ज्यादा पैसा आएगा और वे किसानों के बकाये का भुगतान कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम से किसानों को उनकी उपज का लाभकारी दाम मिलने के साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों का आयात कम करने में मदद मिलेगी। पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल को मिलाने की अनुमति है। मंत्री ने कहा कि इस कदम से प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी, क्योंकि एथनॉल पर्यावरण के अनुकूल ईंधन है।

खाद्यान्नों की पैकिंग जूट की बोरी में करना अनिवार्य

जूट उद्योग की मदद के लिए सरकार ने खाद्यान्नों की 100 फीसदी पैकिंग और चीनी की 20 प्रतिशत पैकिंग जूट की बोरियों में किया जाना अनिवार्य कर दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि कि मंत्रिमंडलन ने अनिवार्य जूट पैकेजिंग आदेश का विस्तारित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से हजारों किसानों के साथ साथ जूट उद्योग में लगे लगभग चार लाख श्रमिकों को लाभ होगा। जूट (पटसन) मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में उगाया जाता है।

अलगे सीजन एथेनॉल का उत्पादन दोगुना होने की उम्मीद

बता दें कि अगले सीजन (दिसंबर 2020-नवंबर 2021) तक एथेनॉल का उत्पादन दोगुना होने की उम्मीद है। उत्पादन बढ़ने से सरकार पेट्रोल में 8 फीसदी एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य पूरा कर पाएगी। सूत्रों के अनुसार नेशनल बायोफ्यूल पॉलिसी के तहत 2022 तक 10 फीसदी और 2030 तक 20 फीसदी Ethanol Blending जरूरी करने का लक्ष्य है।

प्लास्टिक निर्यात संवर्द्धन परिषद का 2025 तक 25 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य

नयी दिल्ली, प्लास्टिक निर्यात संवर्द्धन परिषद (प्लेक्सकॉन्सिल) ने उम्मीद जताई है कि आगामी महीनों में क्षेत्र का निर्यात बढ़ेगा। प्लेक्सकॉन्सिल के चेयरमैन रविश कामत ने कहा कि वैश्विक मांग में सुधार और सरकार के समर्थन से इस क्षेत्र के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे हम 2025 तक 25 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। कामत ने कहा कि क्षेत्र का निर्यात बढ़ रहा है और यूरोप तथा अमेरिका के ग्राहक भारत को एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर में प्लास्टिक का निर्यात सकारात्मक रहा है। ''हमें उम्मीद है कि यह रुख जारी रहेगा और प्लास्टिक निर्यात अधिक बेहतर नतीजे देगा। परिषद का लक्ष्य 2025 के कैलेंडर वर्ष तक प्लास्टिक के निर्यात को 25 अरब डॉलर पर पहुंचाने का है।'' उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष और अगले साल प्लास्टिक निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कामत ने पीटीआई-भाषा से कहा कि सरकार घरेलू उत्पादन को समर्थन दे रही है और उसने 18 प्लास्टिक पार्क स्थापित किए हैं। क्षेत्र के समक्ष चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कंटनेरों की कमी की वजह से तैयार सामान कारखानों में पड़ा और उनका निर्यात नहीं हो पा रहा है।

सैमसंग की रिकॉर्ड बिक्री! कंपनी को हुआ 10.89 अरब डॉलर का फायदा

सोल।

स्मार्टफोन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली कंपनी सैमसंग ने बृहस्पतिवार को कहा कि सितंबर तिमाही में उसका लाभ 59 प्रतिशत बढ़कर दो साल के उच्च स्तर 12,350 अरब वॉन यानी 10.89 अरब डॉलर पर पहुंच गया। कंपनी का लाभ कंप्यूटर मेमोरी चिप, स्मार्टफोन और उपकरणों की बिक्री के दम पर बढ़ा है।

कंपनी का राजस्व आठ प्रतिशत बढ़ा

इस दौरान कंपनी का राजस्व आठ प्रतिशत बढ़कर 66,960 अरब वॉन यानी 59 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सैमसंग का किसी भी तिमाही का सबसे अधिक राजस्व है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'दुनिया भर में भले ही कोविड-19 महामारी का प्रकोप जारी है, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के खुलने से उपभोक्ता मांग में महत्वपूर्ण तेजी आयी है।' कंपनी ने कहा कि कंप्यूटर चिप की मांग में कमी आयी है और स्मार्टफोन तथा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। इसके कारण उसे चालू तिमाही में लाभ कम होने की आशंका है।

अमेरिका और चीन के व्यापारिक तनाव से फायदा

सैमसंग को कोरोना वायरस महामारी तथा अमेरिका और चीन के व्यापारिक तनाव दोनों से फायदा हुआ है। अमेरिका के द्वारा चीन की कंपनियों के ऊपर पाबंदियां लगाने से हुआवेई का बाजार बाधित हुआ है। इससे स्मार्टफोन, स्मार्टफोन चिप और दूरसंचार उपकरण के क्षेत्र में सैमसंग की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी कंपनी को नुकसान हुआ है। अमेरिका ने सेमीकंडक्टर बनाने वाली चीन की कुछ कंपनियों के ऊपर भी कार्रवाई की है। सैमसंग को इससे भी लाभ हुआ है। उल्लेखनीय है कि सैमसंग कई साल से दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी है।

एनबीएफसी को जोखिम से बचाव के लिये समझदारी के साथ कदम उठाने की जरूरत- मुख्य आर्थिक सलाहकार

नयी दिल्ली.

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के वी सुब्रमणियम ने बृहस्पतिवार को कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को इस कठिन समय में सूझबूझ के साथ कदम उठाने चाहिए ताकि जोखिम नहीं बढ़े और कर्ज की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रौद्योगिकी खासकर डाटा विश्लेषण, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग के उपयोग से संपत्ति की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में सुब्रमणियम ने कहा कि एनबीएफसी को कर्ज के पुनर्वित्त से जुड़े जोखिम या संपत्ति देनदारी को लेकर अंतर और परस्पर संबंधित जोखिम को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''नियामकों के पास इन चीजों पर नजर रखने की जिम्मेदारी है।

पर व्यक्तिगत स्तर पर भी प्रत्येक एनबीएफसी को कर्ज पुनर्वित्त जोखिम के साथ परस्पर संबंधित जोखिम पर नजर रखने की अवश्यकता है। इसका कारण इस चुनौतीपूर्ण समय में प्रत्येक एनबीएफसी को सूझबूझ के साथ काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जोखिम नहीं बढ़े।'' सीईए ने यह भी कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू को ध्यान में रखने की जरूरत है। इस समय उदारता जरूरी है लेकिन 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट ने इस बात को सामने लाया कि किस प्रकार बैंकों ने फंसे कर्ज के कारण संकट में होने के बावजूद ऋण लौटा पाने में असमर्थ इकाइयों को कर्ज देना जारी रखा...उस समय चीजें ठीक नजर आयी लेकिन 3-4 साल बाद समस्या देखने को मिली।'' वैश्विक वित्तीय संकट के बाद बैंकों में गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) तेजी से बढ़ा। उन्होंने कहा कि कठिन समय में एनबीएफसी और उनके निदेशक मंडल को कर्ज को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। अवसरों का जिक्र करते हुए सुब्रमणियम ने कहा कि हाल में सरकार ने कृषि और विनिर्माण समेत कई क्षेत्रों में सुधार किये हैं।

इससे नये अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका है और यह जापान तथा चीन में देखा गया। सीईए ने कहा, ''अगर आप 1980 के दशक में जापान की अर्थव्यवस्था को देखे, उस समय वाकई में अच्छी वृद्धि हो रही थी।

कोरोना काल में मारुति सुजुकी को हुआ तगड़ा मुनाफा, पहुंचा 1419 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.04 प्रतिशत बढ़कर 1,419.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसका कारण बिक्री में वृद्धि है। कंपनी को साल भर पहले की समान तिमाही में 1,391.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने एक बयान मे बताया कि इस दौरान परिचालन से प्राप्त राजस्व 10.34 प्रतिशत बढ़कर 18,755.6 करोड़ रुपये हो गया। यह साल भर पहले 16,997.9 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि मांग में कुछ सुधार होने तथा आपूर्ति के क्रमिक तौर पर बेहतर होने से दूसरी तिमाही में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। कंपनी ने कहा, 'लोगों की अधिकतम सुरक्षा की हमारी नीति तथा यह सुनिश्चित करने के सभी प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए कंपनी के कारखानों में उत्पादन बढ़ा है और आपूर्ति श्रृंखला धीरे-धीरे बेहतर हो रही है।' कंपनी ने बताया कि इस दौरान एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ साल भर पहले की समान अवधि के 1,358.6 करोड़ रुपये से एक प्रतिशत बढ़कर 1,371.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि उसकी शुद्ध बिक्री साल भर पहले की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 17,689.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। उसने कहा कि सितंबर तिमाही में 3,93,130 वाहनों की बिक्री की गयी, जो साल भर पहले की समान अवधि की तुलना में 16.2 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान घरेलू बिक्री 18.6 प्रतिशत बढ़कर 3,70,619 इकाइयों पर पहुंच गयी। हालांकि इस दौरान निर्यात में गिरावट देखने को मिली। यह साल भर पहले की तुलना में 12.7 प्रतिशत कम होकर 22,511 इकाइयों पर आ गया। बीएसई में मारुति सुजुकी का शेयर 1.81 प्रतिशत गिरकर 7,052.25 रुपये पर चल रहा था।

सेबी ने भेदिया कारोबार रोधी प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर बायोकॉन के कर्मचारी पर जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली,

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बायोकॉन लिमिटेड के एक कर्मचारी पर कंपनी के शेयरों में लेनदेन करते समय भेदिया कारोबार निवारक नियमों का उल्लंघन करने के लिये जुर्माना लगाया है। सेबी ने एक आदेश में कहा कि बायोकॉन के कर्मचारी पी रविशंकर के ऊपर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना भेदिया कारोबार रोकथाम (पीआईटी) के प्रावधानों का उल्लंघन करने को लेकर लगाया गया है। नियामक ने बताया कि उसने रविशंकर के एक लेन-देन को लेकर 31 अगस्त 2018 से एक अक्टूबर 2018 के बीच जांच की। जांच के समय रविशंकर बायोकॉन के परियोजना विभाग में महाप्रबंधक थे। जांच में पता चला कि रविशंकर के पास कंपनी के 19,500 शेयर थे। उन्हें ये शेयर कर्मचारी शेयर विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत प्राप्त हुए थे। उन्होंने इनमें से पांच हजार शेयरों को सितंबर 2018 में अनुपालन अधिकारी की मंजूरी प्राप्त किये बिना बेच दिया। सेबी ने बुधवार को जारी आदेश में कहा कि कर्मचारी ने कंपनी के अनुपालन अधिकारी से इन शेयरों की बिक्री के लिये मंजूरी प्राप्त नहीं कर पीआईटी प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

नियामक ने कहा कि रविशंकर के चार लेन-देन 10 लाख रुपये से अधिक के थे। ऐसे लेन-देन की जानकारी दो दिन के भीतर देने की जरूरत होती है, लेकिन उन्होंने यह जानकारी दी करीब एक साल की देरी से दी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑक्सीजन ठीक करती है ब्रेन

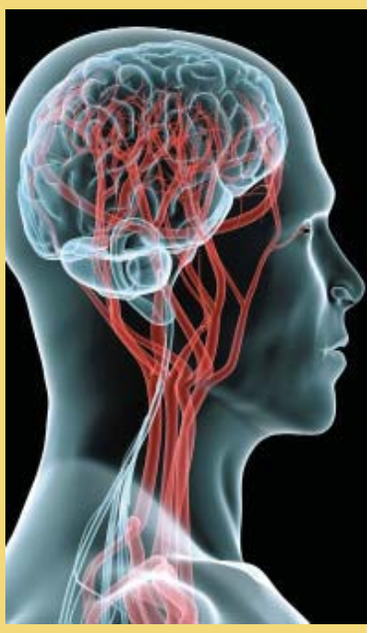

तेल अवीव के वैज्ञानिकों ने अपने नवीन अनुसंधान में पाया है कि ऑक्सीजन, स्ट्रोक, दुर्घटना, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से हुए ब्रेन डैमेज को पुन: ठीक कर देती है। तेल अवीव यूनीवर्सिटी में फिजिक्स और एस्ट्रोनोमी के प्रोफेसर इशेल बेन जैकब ने स्ट्रोक प्रभावित मरीजों को ऑक्सीजन से भरे चैम्बर्स में हाइपर बैनिक ऑक्सीजन थैरेपी (एचबीओटी) दी इससे उनके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ गई। दो महीनों के उपचार के बाद उन मरीजों के ब्रेन की तस्वीरों के विश्लेषण करने पर पाया कि मस्तिष्क कोशिकाओं में उल्लेखनीय गतिविधी नोट की गई। लकवा पीड़ित मरीजों के हाथ पैरों में संवेदना लौट आई और उन्हें बोलने में भी आराम महसूस होने लगा। इससे जो लोग अपनी दिनचर्या दूसरों के सहारे कर पाते थे वे अब अपने आप नहाने,खाना बनाने,सीढ़ियां चढ़ने लगे और किताबें पढ़ने में समर्थ हो गए। शाई इफ्राती के अनुसार मेटाबॉलिक गड़बड़ी की वजह से न्यूरोन जीवित तो रहते हैं,लेकिन उनमें पर्याप्त ऊर्जा के अभाव में वे इलेक्ट्रिक सिग्नल को पैदा नहीं कर पाते। एचबीओटी इन ब्रेन सेल्स में ऊर्जा पहुंचाने का काम करती है।

विटामिन बी 12 की कमी
कितनी सुरक्षित हैं आप

गर्भावस्था ऐसा समय होता है जब महिला अपने आहार एवं स्वास्थ्य से संबंधित सभी संभावित एहतियात बरतती है। भरपूर देख-रेख किये जाने के बावजूद ऐसा देखा गया है कि अधिकांश महिलाएं खान-पान पर ठीक से ध्यान नहीं देती हैं, इससे माता और शिशु दोनों को नुकसान होता है। न्यूनतम ज्ञात तत्वों में से एक विटामिन बी12 ऐसा तत्व है, जो गर्भावस्था के दौरान महिला तथा शिशु दोनों को स्वस्थ तथा सुरक्षित रखता है। विटामिन बी12 जल विलेय विटामिन है, जो मस्तिष्क के विकास एवं कार्य पणाली के लिये महत्वपूर्ण पोषक तत्व है।

महिलाओं में विटामिन की कमी आम बात हो गई है। इस समस्या का प्रमुख कारण विटामिन बी12 का अभाव है। इसका शरीर में महत्वपूर्ण कार्य होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण के साथ ही साथ स्नायविक कोशिकाओं के रख-रखाव में भी प्रमुख भूमिका निभाता है। यदि इस कमी पर ध्यान नहीं दिया जाता तो यह रक्ताल्पता (एनीमिया) के साथ ही स्नायु व मस्तिष्क के क्षय का कारण बन जाता है, जो बाद में असाध्य हो सकता है। हालांकि यह शरीर में प्राकृतिक रूप से उपस्थिति रहती है। भ्रूण अपनी विकासशील अवस्था में गर्भवती महिला के शरीर में भंडारित इस विटामिन के कुछ अंश का इस्तेमाल करता है, इस विकास की अवस्था में दोनों अपने स्वयं के भंडार का निर्माण एवं विकास करते हैं। जन्म के समय शिशु में मां की अपेक्षा विटामिन बी12 का स्तर कहीं अधिक होता है। इनकी उच्च स्तरीय उपस्थिति महिलाओं के लिये सुरक्षित रहती है, क्योंकि इस विटामिन में विषाक्तता का खतरा न्यूनतम होता है।

कमी के परिणाम

विटामिन बी12 का गंभीर अभाव घातक परिणाम का कारण बन सकता है। इसका स्पष्ट प्रमाण है कि इससे शिशु में जन्मजात शारीरिक गड़बड़ी (न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, लगभग वैसे ही जैसे फोलिक एसिड की कमी से होता है) की संभावना हो सकती है। कुछ ऐसे भी प्रारंभिक साक्ष्य हैं कि यह जननहीनता, बारंबार व त्वरित गर्भपात तथा समय से पूर्व शिशु जन्म का कारण बन सकता है। विटामिन बी12 की गंभीर कमी की शिकार महिलाओं में एक टिपिकल प्रीनेटल विटामिन की अपेक्षा विटामिन बी12 की प्रचुर मात्रा में आवश्यकता होती है। उन्हें विटामिन बी12 के इंजेक्शंस की जरूरत भी पड़ सकती है।

विटामिन बी12 की कमी के प्रारंभिक लक्षण मामूली स्तर के हो सकते हैं लेकिन समय के साथ ये उल्लेखनीय हो जाते हैं। गर्भवती महिलाओं को अपने विकासशील शिशु के लिये सभी प्रकार के पोषक तत्वों की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करना चाहिये। जो महिलाएं पर्याप्त रूप से विटामिन बी12 को ग्रहण नहीं करतीं, उनमें गंभीर रूप से अक्षम अथवा घातक जन्मजात गड़बड़ी से युक्त शिशु के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

वैश्विक स्तर पर किये गये अनेक अध्ययन यह प्रदर्शित करते हैं कि गर्भावस्था की प्रारंभिक अवस्था में जो महिलाएं विटामिन बी12 के अभाव से ग्रसित होती हैं, उनमें इसकी प्रचुरता वाली महिलाओं की अपेक्षा 'स्पाइना बिफिडा' जैसे 'न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स' से पीड़ित शिशु को जन्म देने का खतरा पांच गुना अधिक होता है। ऐसा देखा गया है कि भोजन में फोलिक एसिड की पर्याप्तता न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स के खतरे को लगभग 50 से 70 प्रतिशत तक कम करने में सहायक है। लेकिन ऐसा नहीं है कि फोलिक एसिड के स्तर को बढ़ा कर न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट को रोकने में पूर्ण सफलता मिल जाती है, इसके निवारण के लिए एक और रिस्क फैक्टर- विटामिन बी12 के स्तर की जांच आवश्यक है। इस पोषक तत्व को इस तथ्य के कारण चयनित किया गया, क्योंकि यह उपापचयी रूप से फोलिक एसिड से जुड़ा हुआ है। ऐसा इसलिये भी किया गया क्योंकि पूर्ववर्ती अनुसंधान यह दर्शाते हैं कि जन्म देने वाली वे माताएं जो इस स्थिति से प्रभावित रहीं हैं, उनमें इस तत्व के न्यून स्तर को देखा गया है।

ऐसे करें कमी को पूरा

इस कमी से मुकाबला करने का आसान तरीका यह है कि अपने दैनिक आहार में विटामिन बी12 को शामिल किया जाए, जो कि मांस, मछली एवं दैनिक खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। विटामिन बी12 के सर्वश्रेष्ठ प्राकृतिक स्रेत अंडा, मांस, सालमन एवं कॉड हैं। दुग्ध, चीज एवं अंडे पर निर्भर करने वाली शाकाहारी महिलाओं में विटामिन बी12 की कमी का खतरा बरकरार रहता है, क्योंकि उनके आहार में उन खाद्य उत्पादों का अभाव रहता है जिनमें विटामिन बी12 की प्रचुरता होती है, लेकिन शाकाहारियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि विटामिन बी12 सप्लीमेंट्स सु रक्षित हैं, लेकिन माताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे इसका जरूरत से अधिक सेवन न करें। शाकाहारी महिलाएं पौष्टिक खमीर, साबुत अनाज, फोर्टिफाएड सोया मिल्क, फोर्टिफाएड मीट एनालॉग (पशु मांस के सदृश दिखने के लिये गेहूं लासा अथवा सोयाबीन के इस्तेमाल से तैयार भोज्य पदार्थ) में विटामिन बी12 को प्राकृतिक रूप से प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त गर्भावस्था तथा गर्भधारण के दौरान महिलाओं को विटामिन बी12 सप्लीमेंट्स लेने की सलाह भी दी जाती है।

विटामिन बी12 अनेक कारणों से शक्तिशाली लघु पोषकों का स्रेत माना जाता है। शरीर को बी12 की आवश्यकता निम्न के लिये पड़ती है :

- पाचन, भोजन अवशोषण, लौ ह के इस्तेमाल एवं उपापचय के लिये
- महिला प्रजनन स्वास्थ्य एवं गर्भावस्था के लिये
- स्वस्थ स्नायविक प्रणाली के लिये
- सामान्य स्नायविक विकास के प्रोत्साहन के लिये
- लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण को नियमित करने के लिये
- स्वस्थ प्रतिरोधक प्रणाली के लिये
- शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक बल के लिये

महत्वपूर्ण एवं आवश्यक तत्व भ्रूण के विकास के लिये जरूरी हैं तथा उन्हें अवश्य ही आहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिये।

हेल्दी रहने के लिए विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों के साथ ही फैट भी जरूरी होता है, मगर आमतौर पर लोग इसे मोटापे से जोड़कर देखते हैं जबकि सच्चाई ये है कि सभी फैट हानिकारक नहीं होते। स्वस्थ रहने के लिए कौन सा फैट जरूरी है? आइये, जानते हैं- फैट चार प्रकार के होते हैं। इनमें मोनो- अनसैचुरेटेड, पॉली-अनसैचुरेटेड, सैचुरेटेड और ट्रांस फैट शामिल हैं। इनमें मोनो- अनुसैचुरेटेड और पॉली-अनसैचुरेटेड फैट अच्छे यानी गुड फैट की श्रेणी में आते हैं क्योंकि ये आपके हृदय, कोलेस्ट्रॉल और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं

जरूरी है हेल्दी फैट

शरीर में गुड फैट पैदा करने के लिए उनके स्रेत की जानकारी होनी जरूरी है। यह हमारे रोजाना के भोजन से ही मिलता है।

मोनो-अनसैचुरेटेड फैट: यह फैट हमें ऑलिव ऑयल, कनोला ऑयल, सनफ्लावर ऑयल, पी-नट (मूंगफली) ऑयल, सेसमे (तिल) ऑयल, ऑलिव, नट्स (काजू, बादाम, मूंगफली) और पी-नट बटर से मिलता है।

पॉली-अनसैचुरेटेड फैट: यह फैट हमें सोयाबीन ऑयल, कॉर्न ऑयल, अखरोट, सनफ्लावर, सेसमे और कद्दू के बीज, फ्लैक्स सीड, फैटी फिश, सोया मिल्क और टोफू से मिलता है।

बैड फैट से बचकर रहें

सैचुरेटेड और ट्रांस फैट बैड (खराब) फैट की श्रेणी में आते हैं, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ाने के साथ ही दिल की बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देते हैं। इसलिए इनके स्रेत की जानकारी रखना भी काफी जरूरी है। बेकरी प्रोडक्ट यानी पेस्ट्री, कुकीज, मफीन, केक और पिज्जा आदि से मिलता है। इसके अलावा तले हुए भोजन जैसे फ्रेंच फ्राइज, फ्राइड चिकन, चिकन नगेट्स, कैंडी बार और मक्खन से भी यह फैट हमारे शरीर में पैदा होता है।

सैचुरेटेड फैट: यह फैट हमें चिकन (स्किन के साथ), होल फैट डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध और क्रीम, बटर, आइसक्रीम के साथ- साथ पाम और कोकोनट ऑयल से भी उत्पन्न होता है।

सैचुरेटेड फैट को गुड फैट में बदलें

-बटर की बजाय ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।

-चीज की जगह कम फैट वाली चीज उपयोग में लाएं।

-लाल की बजाय सफेद मीट (चिकन) खाएं।

-फुल क्रीम की जगह कम फैट वाला मिल्क क्रीम लें।

-आइसक्रीम की जगह फ्रोजन यानी फ्रीजर में जमाया हुआ दही खाएं।

-बाजार में मिलने वाली सलाद ड्रेसिंग का इस्तेमाल ना करें।

-शाम के समय भूख मिटाने के लिए समोसा, चिप्स आदि खाने की बजाय फ्रूट सलाद खाएं।

महिलाओं को अपने साथ-साथ परिवार का भी ध्यान रखना होता है। इसलिए किचन में भी थोड़े बदलाव लाने जरूरी है। खाना बनाने के लिए अलग-अलग तरह के वेजीटेबल ऑयल का इस्तेमाल करें, क्योंकि किसी भी एक वेजीटेबल ऑयल में फैट की संतुलित मात्रा नहीं होती। इसलिए एक दो तेल को मिक्स करके इस्तेमाल करें। जैसे सरसों, कनोला, तिल, राइस ब्रान और ऑलिव ऑयल। करीब दो दशक से ज्यादातर घरों में इस्ते माल होने वाला ऑयल सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। इसमें फैट की संतुलित मात्रा नहीं होती, साथ ही ये दिल की बीमारी से लेकर कैंसर, पथरी तक के लिए जिम्मेदार हैं। ये इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करते हैं।

गुड फैट के फायदे हमारे

मस्तिष्क का 60 प्रतिशत हिस्सा हेल्दी फैट से बनता है। इसलिए याददाश्त बढ़ाने और मजबूत करने, मूड स्विंग की समस्या को दूर करने आदि के लिए हेल्दी फैट जरूरी है। इतना ही नहीं प्रेग्नेंसी के दौरान बच्चे के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए हेल्दी फैट बहुत जरूरी है। हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी फैट जरूरी है। हमारे भो जन में मौजूद फैट पाचन क्रिया को कम कर देता है ताकि शरीर को पोषक तत्वों को समाहित करने के लिए ज्यादा समय मिल सके। फैट्स से शरीर में ऊर्जा स्तर भी बना रहता है। आखिर में ओमेगा-3 फैटी एसिड के बारे में भी बता दें। यह पॉली-अनसैचुरेटेड फैट का ही एक प्रकार है। ये शरीर के लिए काफी फायदेमंद है। दिमाग को दुरुस्त रखने के साथ ही दिल की बीमारियों, जोड़ों के दर्द और आर्थराइटिस से दूर रहने में भी मदद करता है। फिश और अखरोट इसके बेहतरीन स्रेत हैं। इस तरह आप अपने और अपने परिवार के डाइट रूटीन में ऐसे छोटे-मोटे बदलाव कर स्वस्थ बने रह सकते हैं।

हार्ट अटैक का खतरा कम करती है प्याज

प्याज को तामसिक गुणों वाला माना जाता है। ये भी माना जाता है कि इसे खाने से ज्यादा गुस्सा आता है। लेकिन आयुर्वेद व चिकित्सा शास्त्र में प्याज के अनेकों फायदे बताए गए है। प्याज के सेवन से हार्ट अटैक और स्ट्रोक्स का खतरा कम हो जाता है। शरीर में कोलेस्ट्रोल का स्तर बढने से ही हार्ट अटैक आता है। रोज प्याज का सेवन करने से शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ाने में मदद मिलती है। प्याज का रस बालों में लगाकर बाल झडने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। प्याज के टुकड़ों को बार-बार सूंघने से भी जमा हुआ कफ पानी बनकर बाहर निकल जाता है। प्याज का पेस्ट लगाने से फटी एड़ियों से राहत मिलती है। प्याज पर नींबू व नमक डालकर खाने से पाचन शक्ति बढ़ती है। प्याज के सेवन से आँखों की ज्योति बढती है।सफेद प्याज के रस में शहद मिलाकर सेवन करना दमा रोग में बहुत लाभदायक है। प्याज ब्लडप्रेशर कम करता है। प्याज के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से खून की कमी दूर होती है। अब तो आप भी मानेंगे कि प्याज से कुछ नुकसान है तो कई फायदे भी हैं।

टेंशन को कहो बाय-बाय

तनाव हमारी सेहत का सबसे बड़ा शत्रु है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव से बचा भी नहीं जा सकता। फिर भी कुछ बातों पर अमल करके आप तनाव को काबू में कर सकती हैं।

▲प्रतिदिन थोड़ी देर व्यायाम अवश्य करें। कई शोध-अध्ययन से यह बात सच साबित हुई है कि व्यायाम तनाव दूर करने में काफी सहायक होता है।

▲स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान से भी तनाव में काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।

▲कई बार थकान के चलते भी दिमाग में तनाव हावी हो जाता है। ऐसे में आपको बहुत जल्द गुस्सा आ जाता है। इसलिए थकान की स्थिति में थोड़ी देर विश्राम करें। विश्राम करने से दिमाग शांत हो जाता है।

▲यदि आपको किसी जगह जाने में विलंब हो चुका है तो हड़बड़ी न करें। इससे तनाव और बढ़ता है। उन कारणों पर विचार करें, जिनके कारण विलंब हुआ है। ऐसे कारणों को भविष्य में न दोहराएं।

▲जब भी तनाव महसूस हो, किसी खुले स्थान पर आकर धीरे-धीरे गहरी सांस लें और छोड़ें। शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि गहरी सांस लेने से तनाव काफी कम होता है और आप राहत महसूस करती हैं।

▲अपने को किसी मनपसंद शौक से जोड़कर रखें। यदि आपकी संगीत में दिलचस्पी है तो मनपसंद संगीत सुनें। इच्छा हो तो खुद भी गुनगुना सकती हैं। इसी तरह आप अपना पसंदीदा टीवी कार्यक्रम भी देख सकती हैं। आप चाहें इंडोर गे स भी खेल सकती हैं।

▲हाल ही में जर्मनी में हुए एक अध्ययन से यह पता चला है कि पेड़-पौधों के पास समय बिताने से मानसिक रूप से दिमाग शांत होता है। इसलिए अगर आपको शौक है बागवानी में मशगूल हो सकती हैं।

▲हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार योग और मेडिटेशन करने से भी तनाव दूर भगाया जा सकता है। इसलिए प्रतिदिन थोड़ा समय निकालकर योग और मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करें।

▲कई शोध-अध्ययनों से यह बात सिद्ध हुई है कि प्रार्थनामें गजब की शक्ति होती है। शायद यही कारण है कि आध्यात्मिक रुझान वाले व्यक्ति विषम से विषम परिस्थितियों में भी निराश नहीं होते। इसलिए कहते हैं कि आस्था शॉकर का काम करती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैम्पियंस लीग : बार्सीलोना ने युवेंटस को हराया, चेलसी और मैनचेस्टर युनाइटेड भी जीते

तूरिन । लियोनेल मेस्सी की बार्सीलोना ने चैम्पियंस लीग फुटबॉल के मुकाबले में युवेंटस को 2 . 0 से हरा दिया लेकिन ना तो इस मैच को देखने के लिये स्टेडियम में दर्शक थे और ना ही युवेंटस टीम के लिये क्रिस्टियानो रोनाल्डो खेले। रोनाल्डो कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इस मैच से बाहर रहे। इससे मेस्सी और उनके बीच ग्रुच चरण का मुकाबला नहीं हो सका। बार्सीलोना के लिए उस्मान डेम्बेले और मेस्सी ने गोल दागे। वहीं मैनचेस्टर युनाइटेड ने लेइपजिग को 5 . 0 से हराया जिसमें मार्कस रैशफोर्ड ने हैट्रिक लगाई। चेलसी ने क्रास्नोडार को रूस में खेले गए मैच में 4 . 0 से मात दी। पेरिस सेंट जर्मेन, बोरूसिया डॉर्टमंड और सेविला ने भी अपने अपने मुकाबले जीते। पेरिस सेंट जर्मेन ने इस्तांबुल बासाकसेहिर को 2 . 0 से हराया। बोरूसिया ने रूस की चैम्पियन जेनिट सेंट पीट्सबर्ग को 2 . 0 से मात दी।

सूरिया, रुहान, इशान नेशनल कार्टिंग चैम्पियनशिप जीतने के लिए तैयार

बेंगलुरू।

कोयम्बटूर के सूरिया वेराथन, बेंगलुरू के अर्जुन नायर और चेन्नई निर्मल उमाशंकर इस सप्ताहांत बेंगलुरू में मेको एफएमएससीआई नेशनल कार्टिंग चैम्पियनशिप (एक्स30 क्लासेज) के अंतिम दो राउंड्स में शानदार भिड़ंत के लिए तैयार हैं। सीनियर क्लास में सूरिया ने लीड ले रखी है। बीते शनिवार और रविवार को आयोजित शुरुआती दो राउंड्स के बाद उनके खाते में 70 अंक हैं। राउंड 1 में सूरिया ने चार में से तीन रेसें जीती हैं और राउंड 2 में सूरिया ने चार में से दो में जीत हासिल की थी। ऐसे में वह इस साल की चैम्पियनशिप जीतने के क्रम में सबसे मजबूती के साथ खड़े हैं। यह चैम्पियनशिप मार्च मे कोरोनावायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद देश में आयोजित होने वाली पहली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता है। इस चैम्पियनशिप में सभी तरह की सैनिटाइजिंग और सोशल डिस्टेंसिंग नार्म्स का पालन हो रहा है। यह सब युवा रेसरों और चैम्पियनशिप से जुड़े अन्य लोगों को कोरोना जैसी महामारी से दूर रखने के लिए किया जा रहा है। दूसरी ओर, अर्जुन नायर ने राउंड 1 में दो मौकों पर दूसरा स्थान हासिल किया था और राउंड 2 में दो मौकों पर पहले स्थान पर रहे थे। उनके खाते में 55 अंक हैं। वह तथा निर्मल उमाशंकर (51 अंक) को अगर सूरिया को पहले स्थान से बेदखल करना है तो फिर उन्हें अंतिम दो राउंड में पूरी तरह उलटफेर करने वाला प्रदर्शन करना होगा। जूनियर क्लास में हालांकि ऐसी स्थिति नहीं है। यहां बेंगलुरू के रुहान आल्वा 80 अकों के साथ बिना किसी संदेह के चैम्पियन बनते दिख रहे हैं। रुहान ने दो राउंड्स में आयोजित सबी आठ रेसों में पहला स्थान हासिल किया था। उनके शहर के रोहान मंदेश के खाते में 56 अंक हैं और वही रुहान के सबसे निकटतम प्रतिद्वंद्वी हैं। अब

अगर रोहान को चैम्पियन बनना है तो उन्हें अंतिम दो राउंड्स में हैरान करने वाला प्रदर्शन करना होगा। कैडेट क्लास में भी बेंगलुरू के ही इशान मदेश अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पुणे के साई शिवा माकेश से नौ अंकों की लीड बनाए हुए हैं। इशान ने राउंड 1 में चारों रेस जीती थी लेकिन इस राउंड की शुरुआत में उन्होंने निराश किया था। इस राउंड की पहली रेस में इशान डीएनएफ थे और दूसरी रेस में छठे स्थान पर आए थे। हालांकि इसके बाद उन्होंने प्रदर्शन सुधारा था।

संक्षिप्त समाचार

पांड्या, मोरिस को लगी फटकार, दोनों को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया

अबू धाबी। मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज हार्दिक पांड्या और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ऑलराउंडर क्रिस मोरिस को आचार संहिता के उल्लंघन पर फटकार लगी है। इन दोनों को मुम्बई इंडियंस और आरसीबी के बीच बुधवार को हुए मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। आईपीएल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की है। आईपीएल के मुताबिक पांड्या को आउट करने के बाद मोरिस ने उन्हें विदाई संकेत दिखाया था, जिस पर पांड्या ने गुस्से में प्रतिक्रिया दी थी, जो आचार संहिता के हिसाब से उपयुक्त नहीं था। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और इसी कारण आगे की सुनवाई की जरूरत नहीं हुई। मुम्बई की टीम एक आसान जीत के साथ आठ टीमों की तालिका में 16 अंकों के साथ मजबूती पर टॉप पर विराजमान है। उसके हाथ में दो मैच हैं और उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है। आरसीबी के 12 मैचों से 14 अंक हैं।

युवाओं पर भरोसा नहीं करने से चेन्नई को हुआ नुकसान : लारा

दुबई। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स ने इस आईपीएल के 13वें सीजन में अनुभवी खिलाड़ियों को युवाओं के ऊपर तरजीह दी, जो उसके लिए नुकसानदायक रहा। तीन बार की विजेता चेन्नई आठ टीमों की अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि चेन्नई प्लेऑफ में नहीं जा पाएगी। लारा ने स्टार स्पोर्ट्स के शो पर कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी टीम में काफी उम्रदराज खिलाड़ी शामिल किए हैं। टीम की लाइनअप में ज्यादा युवा खिलाड़ी नहीं हैं। आप उनकी तरफ देखते हैं। उनके विदेशी खिलाड़ी भी लंबे समय से टीम के साथ ही हैं। उन्होंने युवाओं पर अनुभव को प्राथमिकता दी और यह उनके लिए बुरा रहा। चेन्नई 12 मैचों से सिर्फ चार मैच ही जीत पाई है। टीम के सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस ने इस सीजन टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। डु प्लेसिस ने 40.10 की औसत से 401 रन बनाए हैं। उन्हें लेकिन दूसरे छोर से समर्थन नहीं मिला है। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की खराब फॉर्म भी टीम के लिए चिंता रही है। लारा ने कहा, यह अविश्वस्नीय है। आप जानते हैं कि वह हर सीजन प्लेऑफ में जाते हैं। हमें उम्मीद थी कि वह इस सीजन भी प्लेऑफ खेलेंगे। तीन-चार मैच पहले वो ऐसी स्थिति में थे कि उन्हें हर मैच जीतना था। हम सभी को लगा था कि यह वो समय है जब धोनी चीजें बदलेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन हर मैच के बाद चीजें और खराब होती चली गईं। वह इस समय जिस स्थिति में वहां से उन्हें कोशिश अगले साल की करनी चाहिए।

कोरोना पॉजिटिव पाए गए कोच, सारलोरलक्स ओपन से हटे लक्ष्य, जयराम और शुभंकर

नई दिल्ली ।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन अपने कोच डीके सेन के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद जर्मनी में चल रहे सारलोरलक्स ओपन टूर्नामेंट से हट गए हैं। लक्ष्य के साथ-साथ छठी सीड शुभंकर डे और अजय जयराम को आइसोलेशन में जाने के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा है जबकि महिला वर्ग में मालविका बंसोड़ को हार का सामना करना पड़ा है। 19 वर्षीय लक्ष्य, उनके कोच और फिजियो टूर्नामेंट के लिए 25 अक्टूबर को जर्मनी के सारबरकन पहुंच गए थे। लक्ष्य इस टूर्नामेंट के गत चैंपियन हैं। उन्हें कोविड टेस्ट के लिए फ्रैंकफर्ट जाने की सलाह दी गई। उनकी रिपोर्ट 27 अक्टूबर को आयी जिसमें सेन और फिजियो की रिपोर्ट नेगेटिव आई जबकि कोच की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। डीके सेन लक्ष्य के पिता हैं। लक्ष्य ने इसके बाद टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया ताकि टूर्नामेंट के आयोजन में कोई बाधा नहीं आये और अन्य खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने आयोजकों को सूचित कर दिया है। सेन और उनके कोच ने एक और कोविड टेस्ट के लिए आग्रह किया है ताकि उनकी भारत वापसी के लिए तारीख तय हो सके। लक्ष्य ,शुभंकर और जयराम को टूर्नामेंट से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा जिससे उनके विपक्षी खिलाड़ियों को वाकओवर मिल गया। लक्ष्य का मुकाबला अमेरिका के होवार्ड शू से, शुभंकर का मुकाबला कनाडा के ब्रायन यंग से और जयराम का मुकाबला तीसरी सीड हॉलैंड के मार्क कालजो से था।

जयराम ने पहले राउंड में बेल्जियम के मैक्सिम मोरेल्स को 21-8, 21-8 से हराया था जबकि लक्ष्य और शुभंकर को पहले राउंड में बाई मिली थी। महिला वर्ग के पहले राउंड में मालविका बंसोड़ को एस्टोनिया की क्रिस्टीन कूबा ने 21-12, 21-19 से पराजित किया। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने भी पुष्टि की है कि भारत के तीन खिलाड़ियों को उनकी सपोर्ट स्टाफ टीम के एक सदस्य के पॉजिटिव आने के बाद आइसोलेशन में रखा गया है। तीनों खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले नेगेटिव पाए गए थे।

भारत के साथ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में हेनरिक्स की वापसी

मेलबर्न।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ होने वाली सीमित ओवरों की आगामी सीरीज के लिए ऑलराउंडर मोएसिस हेनरिक्स को टीम में वापस बुलाया है। हेनरिक्स अंतिम बार 2017 में भारत के खिलाफ टी20 मैच में खेले थे। इस बीच, सीए ने बैटिंग ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को पहली बार टीम में शामिल किया है। 21 साल के ग्रीन ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ नौ वनडे मैच और पर्थ स्कॉचर्स के लिए 13 टी20 मैच खेले हैं। यूएई में जारी आईपीएल की शुरुआत में ही चोटिल होने वाले हरफनमौला मिशेल मार्श को मेडिकल स्टाफ की सलाह पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। साथ ही नेथन लॉयन, जोस फिलिप, रिले मेरेडिथ और एंड्रयू टाई को 18 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिल सकी है। ऑस्ट्रेलिया और भारत करी टीमें 27 नवम्बरप से तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेंगी। वनजे मैच 27 और 29 नवम्बर को सिडनी में खेले जाएंगे। तीसरा वनडे मानुका ओवल मैदान पर 2 दिसम्बर को होगा। इसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी, जिसके मैच मानुका ओवल, कैनबरा और सिडनी में खेले जाने हैं।

ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम: एरोन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, पैट कमिंस (उपकप्तान),कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, मोइसेस हेनरिक्स, मार्नस लाबुस्चगने, ग्लेन मैक्सवेल, डैनियल सैम्स, केन रिचर्डसन, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

भारत की ओलम्पिक टीम में जगह पाने के लिए प्रतिबद्ध हूं : उदिता

बेंगलुरू ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी उदिता, जो अभी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम कमाने में लगी हुई हैं, ने कहा है कि वह अगले साल होने वाले ओलम्पिक खेलों के लिए चुनी जाने वाली टीम में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उदिता का कहना है कि वह आने वाले महीनों में अपने खेल पर कड़ी मेहनत करेंगी और बेहतर फॉरवर्ड खिलाड़ी बन टोक्यो ओलम्पिक के लिए चुनी जाने वाली टीम में शामिल होंगी। उदिता ने कहा, मेरे लिए अगले कुछ महीने काफी अहम हैं और मेरे पास सुधार करने और ओलम्पिक के लिए चुनी जाने वाली टीम में जगह बनाने का मौका है। मैं लगातार अपने प्रशिक्षकों और सीनियर खिलाड़ियों से बात करती रहती हूं कि मुझे एक फॉरवर्ड खिलाड़ी के बनने के लिए क्या-क्या सुधार करने चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने

अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर अभी नाम नहीं कमाया है। मैं इसे बदलने के लिए प्रतिबद्ध हूं। लंबे समय बाद मैदान पर आकर मुझे अच्छा लग रहा है। मेरे पास आने वाले महीनों में अपने खेल में सुधार करने का मौका है। हम इस बात के लिए हॉकी इंडिया का शुक्रगुजार हैं कि उन्हें सही समय पर सभी चीजें की ताकि हम मैदान पर वापसी कर सकें और अपने खेल में सुधार कर सकें।

आईपीएल से पहले क्रिकेट न खेलना स्टेन के वैरिएशन को प्रभावित कर रहा है : फैनी डिविलियर्स

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज डेल स्टेन के आईपीएल-13 में खराब प्रदर्शन की वजह कोविड-19 के कारण लगी पाबंदियों के चलते क्रिकेट न खेल पाना है। यह कहना है दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स का। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेल रहे स्टेन ने आईपीएल-13 में तीन मैच खेले हैं और सिर्फ एक विकेट लिया है। उन्होंने 11.40 की औसत से रन दिए हैं। 1990 में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट और वनडे खेलने वाले डिविलियर्स ने कहा कि आईपीएल से पहले क्रिकेट न होने के कारण स्टेन टी-20 प्रारूप के मुताबिक अपने वैरिएशन पर काम नहीं कर सके। डिविलियर्स ने दक्षिण अफ्रीका से आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोविड-19 के कारण दक्षिण अफ्रीका में नियम इतने सख्त थे कि आप बाहर जा कर थोड़ा बहुत अभ्यास भी नहीं कर सकते थे। वह युवा नहीं हैं और उन्हें पहले चोटें भी लगी हैं, इसलिए आईपीएल में जाने से पहले उन्हें क्रिकेट खेलने की जरूरत थी। मैं कहूंगा कोविड मुख्य वजह है। अगर आप मांसपेशियों का उपोयग नहीं करेंगे तो आपकी मसल मैमोरी उपयोग में नहीं आएगी। इससे टी-20 के जरूरी हथियार जैसे यॉर्कर, स्लोअर गेंदें डालने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, अगर आप नहीं खेलेंगे तो आप अपनी अपनी मांसपेशियों का उपयोग नहीं कर पाएंगे और फिर आप संघर्ष करेंगे। स्टेन के देश के ही कागिसो रबादा 25 साल के हैं और इस सीजन अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं। वह पर्पल कैप की रेस में बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनिरक नॉर्टजे एक और गेंदबाज हैं जो इस सीजन शानदार तेजी से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। डिविलियर्स ने रबादा और एनरिक की सफलता का कारण उनकी कम उम्र को बताया है। डिविलियर्स ने कहा, रबादा को ज्यादा चोटें नहीं लगी हैं और वह युवा हैं, मजबूत हैं। जब मैं 33-34 साल का था मुझे पता है कि मेरे लिए गेंदबाजी करना कितना मुश्किल हो गया था। मुझे लगता है कि कुछ क्रिकेट खेलकर स्टेन अगले साल तक बेहतर हो जाएंगे। 37 साल के स्टेन ने अनुमानित गति, लाइन और लैंग्थ से गेंदबाजी की थी और किसी तरह के वैरिएशन का इस्तेमाल नहीं किया है। इससे बल्लेबाजों को स्टेन को खेलना आसान रहा।

राहुल के चयन पर मांजरेकर को श्रीकांत का जवाब-मुंबई के आगे भी सोचो

नई दिल्ली।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता रहे कृष्णमचारी श्रीकांत ने लोकेश राहुल के टेस्ट टीम में चयन पर सवाल उठाने वाले संजय मांजरेकर की आलोचना की है। आईपीएल-13 में शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल को आस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी-20 टीम के साथ टेस्ट टीम में भी जगह मिली है। उनकी टेस्ट में वापसी हुई है। भारत के पूर्व बल्लेबाज मांजेरकर के मुताबिक आईपीएल की फॉर्म पर किसी खिलाड़ी का टेस्ट टीम में चयन करना गलत उदाहरण पेश करता है और यह रणजी ट्रॉफी खिलाड़ियों को हताश करता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल चीकी चीका पर कहा, संजय मांजरेकर का काम सवाल उठाना है, इसलिए उन्हें अकेला छोड़ दो। उन्होंने कहा, राहुल के टेस्ट टीम में चयन पर सवाल उठाना? उन्होंने टेस्ट में शानदार खेला है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। सिर्फ इसलिए कि संजय किसी चीज पर सवाल उठाना चाहते हैं, मुझे नहीं लगता कि मुझे सहमत होना चाहिए। आपको किसी चीज पर इसलिए सवाल नहीं उठाने चाहिए कि विवाद पैदा हो। राहुल ने तीनों प्रारूप में शानदार खेल दिखाया है। उनके टेस्ट रिकार्ड देखिए। राहुल ने अभी तक भारत के लिए 36 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 2,006 रन बनाए हैं। उन्होंने टेस्ट में पांच शतक और 11 अर्धशतक भी लगाए हैं। श्रीकांत ने कहा, संजय जो कह रहे हैं वो बकवास है। मैं उसे नहीं मानता। राहुल के प्रदर्शन में अनिरंतरता हो सकती है, लेकिन इन्हीं राहुल ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट पदार्पण किया था और शतक भी जमाया था। वह तेज गेंदबाजी के अच्छे खिलाड़ी हैं। इस बात को समझिए कि वह तेज गेंदबाजी के अच्छे बल्लेबाज हैं। राहुल को पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद हटा दिया गया था। उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 101 रन बनाए थे। श्रीकांत ने संजय को सलाह देते हुए कहा कि वह मुंबई के बाहर से आने वाले खिलाड़ियों की सोचें और सिर्फ मुंबई पर ही ध्यान नहीं दें। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, संजय मांजरेकर मुंबई के बाहर के बारे में नहीं सोच सकते। यह समस्या है। हम तटस्थ रहकर बात कर रहे हैं। मांजरेकर मुंबई के आगे नहीं सोच सकते। मांजरेकर जैसे लोगों के लिए हर चीज मुंबई, मुंबई और मुंबई। उन्हें इससे आगे सोचना होगा। विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम 17 दिसंबर से एडिलेड में दिन-रात टेस्ट मैच के साथ चार मैचों की सीरीज की शुरुआत करेगी। भारत ने अपने पिछले आस्ट्रेलियाई दौर पर बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज जीत इतिहास रचा था और इस बार उसकी कोशिश इस ट्रॉफी को बचाने की होगी।

गोल्फ : लाहिड़ी को बरमुडा चैम्पियनशिप में लय हासिल करने की उम्मीद

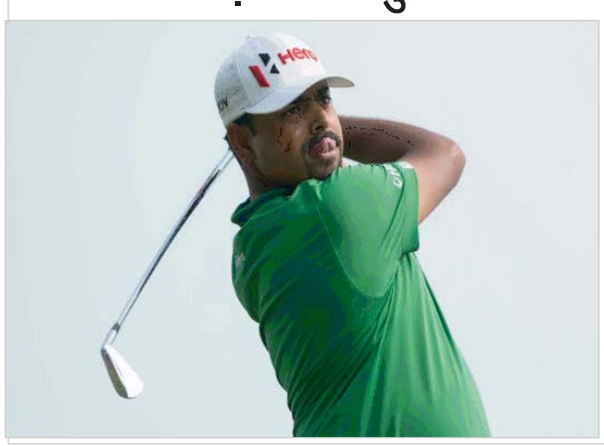

साउथैपम्टन (बरमुडा)। तीन सप्ताह के ब्रेक के बाद भारत के पुरुष गोल्फ खिलाड़ी अनिर्बान लाहिड़ी गुरुवार से शुरू हो रही बरमुडा चैम्पियनशिप में कदम रखेंगे, जहां उनकी कोशिश अपने खेल में सुधार करने की होगी। एशियनटूर डॉट कॉम ने लाहिड़ी के हवाले से लिखा है, मैं काफी उत्साहित हूं.. बीते तीन सप्ताह शानदार रहे। मैंने काफी सारा काम किया। मैंने थोड़ा आराम किया, अपनी शुरुआत पर ध्यान दिया और उन एरिया पर ध्यान दिया जहां मुझे सुधार करना है ताकि मैं बेहतर कर सकूं। 2020-21 पीजीए टूर सीजन के पहले तीन टूर्नामेंट्स में से एक में लाहिड़ी ने शीर्ष-10 में जगह बनाई थी वह दो साल बाद शीर्ष-10 में जगह बनाने में सफल रहे थे। दो टूर्नामेंट में वो शीर्ष-40 में रहे थे। लाहिड़ी ने कहा, यह उस लय को आगे ले जाने, उससे आत्मविश्वास हासिल कर प्रतिस्पर्धा में बने रहने की बात है। मुझे इसी तरह से सोचना होगा। इस समय मेरा नजरिया ऐसा ही है। मैं यही चाहता हूं।

मैनचेस्टर युनाइटेड के डिफेंडर टेलेस कोरोना पॉजिटिव पाए गए

मैनचेस्टर।

इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड के डिफेंडर एलेक्स टेलेस को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। मैन यू के मैनेजर ओले गनर सोल्सजाकेर ने इसकी पुष्टि की है। कोरोना के कारण टेलेस बुधवार को आरबी लिपजिग के साथ हुए मैच में नहीं खेल सके थे, जिसे मैन यू ने 5-0 से जीता था। इस मैच में मार्कस रशफोर्ड ने शानदार खेल दिखाते हुए हैट्रिक लगाई। गनर ने कहा, वह अभी कुछ दिनों तक टीम से बाहर रहेंगे। वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं लेकिन उनके अंदर इस बीमारी के लक्षण नहीं हैं। वह ठीक हो रहे हैं और हमें उनकी वापसी का इंतजार है। पुर्तगाली क्लब पोरटो से मैन यू आए टेलेस ने इस सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। मैन यू ने लिपजीग पर जीत के साथ चैम्पियंस लीग में ग्रुप-बी में पहला स्थान हासिल कर लिया है। उसके खाते में पेरिस सेंट जर्मेन से तीन अंक अधिक हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंत्री फवाद चौधरी बोले- पुलवामा हमला इमरान सरकार की बड़ी कामयाबी

पाक ने माना पुलवामा विस्फोट में हाथ

एजेंसी, इस्लामाबाद। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान के नापाक मंसूबे किसी से छिपे हुए नहीं है। लेकिन, वह दुनिया के सामने आतंकवाद प्रायोजित करने से खुद का हमेशा नकारता रहा है। लेकिन, अब उसके मंत्री ने ही पुलवामा हमले को लेकर जो बयान दिया है उससे दुनिया के सामने एक बार फिर पाकिस्तान का असली चेहरा आ गया है।

पाकिस्तान के मंत्री फवाद चौधरी ने संसद में गुरुवार को बयान देते हुए कहा कि पुलवामा में हमला इमरान खान के नेतृत्व में पाकिस्तान की बड़ी कामयाबी है। फवाद चौधरी के इस बयान से पाकिस्तान सरकार की दुनिया के सामने मुश्किलें और बढ़ सकती है।

एक दिन पहले कि पाकिस्तान के एक सांसद एयाज सादिक ने संसद में बयान देते हुए कहा कि था भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को भारत के दबाव में आकर छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि जब विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी

ने कहा कि भारत रात 9 बजे पाकिस्तान के ऊपर हमला करने वाला है, इसके बाद मीटिंग में आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के माथे पर आ गए थे और उनके पैर कांप रहे थे। एयाज सादिक के इस बयान के बाद पाकिस्तान में बवाल मचा हुआ है। सांसद एयाज सादिक ने कहा कि भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन को लेकर बुलाई गई बैठक में खुद पीएम इमरान खान ने आने से इनकार कर दिया था। उसमें आर्मी चीफ आए तो लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और माथे पर पसीना था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर अभिनंदन को सीमा पार नहीं जाने देंगे तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा। एयाज सादिक ने कहा कुलभूषण के लिए हम अध्यादेश लेकर नहीं आए थे। इस सरकार ने एक-दो महीने अध्यादेश छिपाकर रखा।

हमने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इतनी एक्सेस नहीं दी थी जितनी इस सरकार ने। उन्होंने आगे कहा- मुझे याद है शाह महमूद साहब उसे मीटिंग में थे, जिसमें प्रधानमंत्री साहब ने आने से इनकार कर दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ आए लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और पसीने माथे पर थे।

सादिक ने आगे कहा विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी साहब ने इस मीटिंग के दौरान कहा कि खुदा का वास्ता है कि अभिनंदन को वापस भारत जाने दें, क्योंकि 9 बजे रात को हिन्दुस्तान पाकिस्तान के ऊपर हमला कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई हिन्दुस्तान को कोई हमला नहीं करना था, बल्कि इन्होंने घुटने टेंक कर वापस अभिनंदन को भेजना था। जो इन्होंने किया।

पुलवामा हमले में हुए थे 40 अर्धसैनिक बलों के जवान शहीद

गौरतलब है कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों की बस पर घात लगाकर हमला किया गया था। इस घटना में 40 अर्धसैनिक बलों के जवान शहीद हुए थे।

सके बाद 26 फरवरी को भारतीय वायुसेना के जवानों ने इसके जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में आधी रात को हमला कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविर को ध्वस्त कर दिया था। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में भारत पर जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। लेकिन उसके सभी मंसूबों को भारतीय जवानों ने नाकाम कर दिया गया।

पाकिस्तान ने एयर टू एयर मिसाइल दागने के लिए अपने सबसे अडवांस विमान एफ-16 का इस्तेमाल किया। वहीं मिराज-IIIएस को ग्राउंड मिसाइल हमले के लिए इस्तेमाल किया था।

कोविड-19 वैक्सीन के टीके की पहली खेप को लेकर वैज्ञानिकों ने चेताया

एजेंसी,लंदन। ब्रिटेन सरकार के टीका कार्यबल ने आगाह किया है कि कोविड-19 टीकों का पहला सेट 'त्रुटिपूर्ण' हो सकता है और हो सकता है कि हर किसी पर यह समान रूप से काम न करे। 'यूके वैक्सीन टास्क फोर्स' की अध्यक्ष केट बिंघम ने कहा कि उम्मीदों को प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि शुरुआती खोज के पूरी तरह सटीक होने की संभावना नहीं है। बिंघम ने पत्रिका 'द लैंसेट में इस सप्ताह एक लेख में लिखा, ''टीकों की पहली पीढ़ी के त्रुटिपूर्ण होने की संभावना है और हो सकता है कि ये हर किसी पर समान रूप से काम न करें।'' विभिन्न टीकों पर जारी परीक्षणों का ब्योरा आगामी हफ्तों में आने की उम्मीद है।

स्पूतनिक-V को लेकर बड़ा दावा

कोरोना वायरस के कहर के बीच पूरी दुनिया में वैक्सीन बनाने की कवायद तेज है। रूस ने बहुत पहले ही कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने का दावा किया है, जिसका तीसरे फेज का ट्रायल जारी है। परिणाम सामने आए हैं, उसके मुताबिक रूस की कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक-5 को सुरक्षित और प्रभावी पाया गया है।

बाजवा के पैर कांप रहे थे, चेहरे पर था पसीना...

भारत के खौफ से पाक ने अभिनंदन को छोड़ा,

इस्लामाबाद। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान को अक्सर भारत के हमले का भय सताता रहता है। यह खौफ उस वक्त भी देखने को मिला, जब भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन पाक वायुसेना का पीछा करते-करते पाकिस्तान में चले गए थे। पाकिस्तान को उस वक्त भारत से हमले का डर सता रहा था और इसी खौफ की वजह से उसने अभिनंदन को रिहा किया था। इसका दावा पाकिस्तान के सांसद एयाज सादिक ने किया है। पाकिस्तान के सांसद अयाज सादिक ने भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को लेकर सनसनीखेज खुलासा किया है और दावा किया है कि भारत से हमले के डर की वजह से पाकिस्तान ने जल्दबाजी में विंग कमांडर अभिनंदन को रिहा किया था। उन्होंने संसद में बुधवार को यह दावा किया। अभिनंदन को पिछले साल फरवरी में पाकिस्तानी वायुसेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान उनका मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया था।

सांसद अयाज सादिक ने कहा कि भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन को लेकर बुलाई गई बैठक में खुद पीएम इमरान खान ने आने से इनकार कर दिया था। उसमें पाक आर्मी चीफ आए तो मगर उनके पैर कांप रहे थे और चेहरे पर पसीना था, कहीं भारत अटैक न कर दे। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर अभिनंदन को सीमा पार नहीं जाने देंगे तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा। वह आगे कहते हैं, कुलभूषण के लिए हम अध्यादेश लेकर नहीं आए थे। इस सरकार ने एक-दो महीने अध्यादेश छिपाकर रखा। हमने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इतनी एक्सेस नहीं दी थी जितनी इस सरकार ने। उन्होंने आगे कहा- 'मुझे याद है शाह महमूद साहब उसे मीटिंग में थे, जिसमें प्रधानमंत्री साहब ने आने से इनकार कर दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ आए लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और पसीने माथे पर थे।'

सादिक ने आगे कहा, 'विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी साहब ने इस मीटिंग के दौरान कहा कि खुदा का वास्ता है कि अभिनंदन को वापस भारत जाने दें, क्योंकि 9 बजे रात को हिन्दुस्तान पाकिस्तान के ऊपर हमला कर रहा है।' उन्होंने कहा कि कोई हिन्दुस्तान को कोई हमला नहीं करना था, बल्कि इन्होंने घुटने टेंक कर वापस अभिनंदन को भेजना था। जो इन्होंने किया। इस दावे के बाद भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसे लेकर राहुल गांधी पर हमला बोला है। संबित पात्री ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'राहुल जी, आप सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठा रहे थे ना? जरा देखिए मोदी जी का क्या खौफ है पाकिस्तान में सरदार अयाज सादिक बोल रहे है पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में की पाक के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पैर कांप रहे थे और चेहरे पर पसीना था, कहीं भारत अटैक न कर दे! समझें?' गौरतलब है कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर हमला किया गया था, जिसमें 40 अर्धसैनिक बलों के जवान शहीद हुए थे। इसके बाद 26 फरवरी को भारतीय वायुसेना के जवानों ने इसके जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में आधी रात को हमला कर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी प्रशिक्षण शिविर को ध्वस्त कर दिया था। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में भारत पर जवाबी कार्रवाई की कोशिश की,, मगर उसके सभी मंसूबों को भारतीय जवानों ने नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान ने एयर टू एयर मिसाइल दागने के लिए अपने सबसे अडवांस विमान एफ-16 का इस्तेमाल किया। वहीं मिराज-ढ्ढढ्ढएस को ग्राउंड मिसाइल हमले के लिए इस्तेमाल किया। उसी दौरान भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान ने अपने मिग-21 से आर-73 मिसाइल दागते हुए पाकिस्तान का एफ-16 लड़ाकू विमान गिरा दिया था। लेकिन इस दौरान उनका मिग-21 विमान क्रैश हो गया और वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जा गिरे थे। वहां पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया था। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान पर काफी दबाव बनाया गया, जिसके बाद अभिनंदन को अटारी-वाघा बॉर्डर से भारत वापस लौटाया गया था।

भारत को सऊदी ने दिया दिवाली तोहफा तो पाक को झटका पाक और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाक के नक्शे से हटाया

एजेंसी,लंदन। सऊदी अरब ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के नक्शे से हटा दिया है। पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने बुधवार को ट्वीट कर यह दावा किया। उन्होंने एक तस्वीर भी ट्वीट की, जिसमें कैप्शन दिया गया था, भारत के लिए सऊदी अरब का दिवाली तोहफा- पाकिस्तान के नक्शे से गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को हटाया।

न्यूज एजेंसी ने मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया कि सऊदी अरब ने 21-22 नवंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की अपनी अध्यक्षता के लिए एक 20 रियाल (सऊदी मुद्रा) का बैंकनोट जारी किया। यह बताया गया कि बैंकनोट पर प्रदर्शित विश्व मानचित्र में गिलगित-बाल्टिस्तान और कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्सों के रूप में नहीं दिखाया गया है।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सऊदी अरब का कदम पाकिस्तान को अपमानित करने के प्रयास से कम नहीं है। भारत ने गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव पर आपत्ति जताई थी। बता दें कि पाक अक्सर हर मंच पर कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिश करता रहा है और ऐसे में सऊदी का यह कदम उसके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने सितंबर में कहा था कि उन्होंने 15 नवंबर को होने वाले तथाकथित गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के चुनावों के बारे में रिपोर्ट देखी है और इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार को कड़ा विरोध जताया और दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, तथाकथित गिलगित और बाल्टिस्तान सहित, भारत का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

पाकिस्तान: संसद पर 2014 में हुए हमले के केस में इमरान खान को बड़ी राहत, दोषमुक्त करार

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को बृहस्पतिवार को एक आतंकरोधी अदालत ने वर्ष 2014 में संसद पर हमले के मामले में दोषमुक्त करार दिया। हालांकि अदालत ने इस मामले में कई विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी समेत कई वरिष्ठ मंत्रियों को तलब किया है। मीडिया में प्रकाशित खबर में यह जानकारी सामने आई। हालांकि, आंतकरोधी अदालत के न्यायाधीश राजा जावेद अब्बास हसन ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ और पाकिस्तान आवामी तहरीक के कार्यकर्ताओं ने 31 अगस्त 2014 को संसद और प्रधानमंत्री आवास की ओर कूच किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ हुई झड़प में तीन व्यक्तियों की मौत हो गई थी और 26 अन्य घायल हो गए थे। अब देश की सत्ता पर काबिज है। पुलिस ने इमरान खान तथा अन्य नेताओं के विरुद्ध आतंकवाद निरोधी धाराओं में मामला दर्ज किया था। डॉन अखबार में प्रकाशित एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री इमरान खान की दोषमुक्ति उनके द्वारा एक हफ्ते पहले अदालत से किए गए आग्रह के बाद सामने आई है। इमरान ने अभियोजन पक्ष द्वारा मामले को आगे नहीं बढ़ाए जाने में रुचि नहीं दिखाने का हवाला देते हुए उन्हें दोषमुक्त करने का अदालत से आग्रह किया था।

पुलिसकर्मी ने कस्टमर को डिलीवर किए कबाब

एजेंसी, लंदन। ऑनलाइन फूड कंपनी के लिए समय पर कस्टमर तक ऑर्डर डिलीवर करना बेहद जरूरी होता है। इससे उसकी साख जुड़ी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए ब्रिटेन में एक पुलिस अधिकारी ने खुद फूड पार्सल कस्टमर तक पहुंचाया। कस्टमर ने कबाब का ऑर्डर दिया था। बर्कशायर प्रांत में फूड पैकेट लेकर निकले कंपनी के डिलीवरी बॉय को पुलिस ने जांच के दौरान नशे में ड्राइविंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसकी कार के टायर भी सही नहीं थे। उसी दौरान एक पुलिसकर्मी की नजर डिलीवरी बॉय की कार में रखे फूड पार्सल पर पड़ी। तब उसने खुद उसे कस्टमर को पहुंचाने का फैसला लिया। पुलिसिंग नामक ट्विटर हैंडल पर पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए लिखा, 'ड्राइवर के दस्तावेज गलत थे। बीमा नहीं था, लाइसेंस नहीं था और टायर सही नहीं थे। नशे में ड्राइविंग कर रहा था। उसे गिरफ्तार किया और कार जब्त की। कबाब भी डिलीवर किये।' इस पूरे वाकया पर इंटरनेट यूजर्स ने पुलिसकर्मी की डिलीवरी बॉय की भूमिका पर चुटकी ली। एक यूजर ने लिखा, 'इस कार्रवाई के दौरान कबाब को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।' अन्य ने लिखा, 'यह पुलिस सेवा उनके आदर्श वाक्य को चरितार्थ करती है।'

स्वयंभू गुरु कीथ रेनेर लड़कियों को बनाता था सेक्स स्लेव, कोर्ट ने दी 120 साल की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक स्वयंभू गुरु को अदालत ने 120 साल की सजा सुनाई गई है। वह अपने अनुयायियों को सेक्स स्लेव बनाता था, जिसके बाद न्यूयॉर्क की अदालत ने उसे दोषी माना है। 60 साल के कीथ रेनेर N&ivm नामक संगठन चलाता था, जिसका खुद को नेता बताता था। वह अमीर और फेमस अनुयायियों को अपने जाल में फंसाता था। कीथ रेनेर नामक स्वयंभू गुरु के फॉलोवर्स पांच हजार डॉलर के सेल्फ हेल्प कोर्सेस लेते थे, लेकिन उनमें से कुछ को फाइनेंशियली और सेक्सुअली निशाना बनाया जाता था और उन्हें प्रतिबंधित आहार लेने पर मजबूर किया जाता था। उसने डीओएस नामक ग्रुप में एक गुट की स्थापना की थी, जोकि एक पिरामिडनुमा स्ट्रक्चर की तरह था। यह महिलाओं को स्लेव्स की तरह बनाया जाता था, जबकि रेनेर खुद को ग्रैंड मास्टर की भूमिका में रखता। महिलाओं को रेनेर के साथ सेक्स करने और पर्सनल जानकारियां और फोटोज शेयर करने के लिए बाध्य किया जाता। रेनेर को जून 2019 में कई मामलों में दोषी पाया गया था। इसमें रैकेट चलाना, सेक्स ट्रैफिकिंग, उगाही, आपराधिक साजिश और यौन शोषण के मामले में सजा सुनाई गई थी। सुनवाई के दौरान एक युवती ने कहा था कि मैं बच्ची थी। उसने मेरे बचपन को छीन लिया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान रेनेर ने कहा कि वह निर्दोष है और पीड़ितों द्वारा दिए गए बयान पर गहरा खेद जताता है।

भारत, ब्रिटेन के बीच कोरोना वायरस से लड़ने के लिए नया समझौता

एजेंसी, लंदन। दसवीं ब्रिटेन-भारत आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता (ईएफडी) के तहत कोरोना वायरस महामारी से लड़ने के लिए भारत और ब्रिटेन ने नई भागीदारी की है। कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन और यात्रा प्रतिबंधों को देखते हुए ईएफडी का डिजिटल आयोजन किया गया। ईएफडी के तहत बुधवार को 80 लाख पाउंड के संयुक्त कोष की घोषणा की गई जिससे तहत दोनों देश मिलकर अनुसंधान करेंगे। यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) तथा भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) ने कहा कि संयुक्त अनुसंधान में दोनों देशों में विभिन्न माहौल में रह रहे जातीय समूहों से जुड़े अध्ययन के मार्फत महामारी को समझने का प्रयास किया जाएगा। बायोटेक्नोलॉजी विभाग की सचिव डॉ. रेणु स्वरूप ने कहा, ''यह संयुक्त कार्यक्रम भारत-ब्रिटेन शोध भागीदारी पर आधारित है और भारत तथा ब्रिटेन में कोविड-19 संक्रमण की गंभीरता को सामूहिक रूप से समझने का अवसर है। डीबीटी और यूकेआरआई ने कहा कि 40 - 40 लाख पाउंड के वित्त पोषण से महामारी की शुरुआत से लेकर कोविड-19 के अनुसंधान में निवेश किया जाएगा।

फ्रांस: नीस के चर्च में आतंकी ने कम से कम तीन लोगों की ली जान, बुजुर्ग महिला का गला रेत चिल्लाया- अल्लाह हू अकबर

एजेंसियां, पेरिस। फ्रांस के दक्षिणी शहर नीस में एक चर्च में आतंकी हमलावर ने कई व्यक्तियों को चाकूओं से गोद डाला, जिसमें महिला सहित कम से कम तीन लोगों की जान चली गई है। बताया जा रहा है कि आतंकी ने बुजुर्ग महिला का गला रेत डाला। पुलिस के मुताबिक स्थिति नियंत्रण में है और हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। नीस के मेयर क्रिस्चियन एस्ट्रोसी ने ट्विटर पर कहा, ''मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हर चीज हमें यह सोचने को कह रही है कि यह आतंकवादी हमला था।'' मेयर के मुताबिक, पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद तक हमलावर 'अल्लाह हू अकबर' चिल्लाता रहा। 15 जनवरी को शार्ली हेब्दो पर हमले के बाद से ही फ्रांस आतंकवादी हमलों को लेकर अलर्ट पर है। उधर, सऊदी अरब के जेद्दाह स्थित फ्रेंच वाणिज्य दूतावास में एक व्यक्ति ने गार्ड पर चाकू से हमला कर दिया,

जिसमें गार्ड घायल हो गया है। अभी तक हमले का उद्देश्य सामने नहीं आ सका है। हाल ही में एक स्कूल में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून दिखाए जाने के बाद शिक्षक की हत्या और इससे उपजे विवाद के बीच फ्रांस ने इस्लामिक देशों में रहने वाले अपने नागरिकों को सतर्क रहने को कहा है। कई इस्लामिक देशों ने फ्रांस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फ्रांस में 2015 के बाद से जिहादी हमलों में 250 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

कोरोना से मुकाबला करने को भारत और ब्रिटेन के बीच नया समझौता हुआ

एजेंसी, लंदन। भारत ने कोरोना महामारी से मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन के साथ एक नया समझौता किया है। 10वें भारत-ब्रिटेन इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल डायलॉग के हिस्से के रूप में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया। संयुक्त वित्त पोषण के साथ भारत व ब्रिटेन के बीच करार हुआ। इसके जरिए कोविड-19 की गंभीरता को समझने पर केंद्रित सहयोगात्मक अनुसंधान को मदद मिलेगी। भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने कहा कि उनके सहयोगी अनुसंधान, उन अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन करेंगे, जो दोनों अलग-अलग देशों में संबंधित जातीय समूहों के अध्ययन के माध्यम से महामारी को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत शहर में उधना पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर की मदद से अवैध कब्जा करने का आरोप सुरत पुलिस कमिश्नर से किया गई

सूरत।शहर के उधना विस्तार में स्थित एक मंदिर और धर्मशाला के नाम से पहचाने जानेवाली मिलकत को धमकी देकर और डराकर हड़प करने की कोशिश की जा रही है,

जानकारी के अनुसार उधना के पटेल फलिया स्थित श्री भीडभंजन महादेव तथा सैयर काका मंदिर निवासी जयेश हितेंद्र भट्ट ने पुलिस कमिश्नर से की शिकयत में उल्लेख किया है कि उधना की सर्वे नंबर 229 तथा 229 /1 मिलकत के मकान में हमारे बाप दादा के समय से रह रहे है,और उपरोक्त दोनों मिलकत मंदिर और धर्मशाला के नाम से पहचानी जाती है,लेकिन उसपर अवैध कब्जा करने और हड़पने के इरादे से उध ना पुलिस थाने के पीआई एमवी पटेल की मदद से अन्य 12 लोग उन्हें डरा धमका रहे और उपरोक्त मिलकत छोड़कर चले जाने के लिये धमकिया दे रहे है,आरोप लगाया है कि उधना पी.आई, बिल्डर और भाजपा अग्रणी लोगो के दबाव में आकर,पोलिटिकल प्रेशर में आकर अथवा रुपयों की लालच में उनके खिलाफ अलग अलग प्रकार के मामले दर्ज करने की कार्रवाई कर रहे है.

SMC
के उधना ज़ोन अधिकारी और कर्मचारीयों की महेरबानी और राजनीति दबाब के चले कई जगह पर इस प्रकार कई कार्यवाही किया भी जा चूका हैं फरियाद करने पर कोई भी सुनवाई नही किया जाता,

इस प्रकरण में उधना पुलिस थाने के पीआई एम.वी पटेल सहित 13 लोगो के खिलाफ पुलिस कमिश्नर से शिकायत की गई है.

7 साल की बच्ची से दुष्कर्म के हत्या के दोषी को ताउम्र कारावास की सजा

सूरत की कोर्ट ने सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी गला घोंट कर हत्या के आरोपी दोषी करार देते हुए ताउम्र कारावास की सजा सुनाई है। प्रकाश नामक दोषी को मरते दम तक जेल में रहना होगा। पांच साल पुराने इस मामले पर नजर डालें तो सूरत जिले की उमरपाडा तहसील के गोवत गांव निवासी

जीतेन्द्र के घर 25 सितंबर 2015 को गणेशजी की स्थापना की गई थी। जिसमें मुहल्ले के लोग जमा हुए थे। गणेशजी की आरती के बाद जितेन्द्र की 7 वर्षीय पुत्री गरबा खेल रही थी। गरबा खेलते खेलते जितेन्द्र की पुत्री थक गई और मुहल्ले में रहनेवाले प्रकाश वसावा नामक युवक की गोद में जाकर बैठ गई।

हांलाकि कुछ देर बाद जितेन्द्र की पुत्री और प्रकाश को नदारद देख परिवार ने उनकी खोजबीन शुरू की। उस दौरान जितेन्द्र के मकान के पिछवाडे में कुछ हलचल देख लोग वहां पहुंच गएद्य जितेन्द्र की बेटी निर्वस्त्र हालत में पड़ी थी और उसके प्राइवेट पार्ट से लहू निकल रहा था। बेटी को निश्चेत पड़ा देख परिवार उसे लेकर तुरंत अस्पताल भागा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दियां ।दूसरी ओर ग्रामवासियों ने प्रकाश वसावा को दबोच लिया और पुलिस बुलाकर उसके हवाले कर दिया। पुलिस की पूछताछ में प्रकाश ने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या की बात कबूल कर ली।

सूरत के अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने आज इस मामले पर सुनवाई करते हुए प्रकाश वसावा को दोषी करार दिया और ताउम्र कारावास की सजा सुनाई है।

गुजरात कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल को श्रद्धाजंलि

क्रांति समय समाचार

गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल के निधन पर दुःख व्यक्त किया हैं।

अमित चावड़ा और परेश धानाणी ने सदगत को श्रद्ध ाजंलि देते हुए कहा कि स्व. केशूभाई पटेल ने गुजरात के सार्वजनिक जीवन में वर्षो तक कार्यरत रहकर गुजरात की उत्तम सेवा की हैं।

केशूभाई के निधन से गुजरात के एक महान नेता गंवा दिया हैं। केशूभाई का समग्र जीवन गुजरात की सेवा के लिए समर्पित थां। विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक संस्थाओं को मार्गदर्शन देकर संस्थाओं के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया थाद्य परम कृपालु परमात्मा उनकी आत्मा शांति प्रदान करे और उनके परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति दें। अमित चावडा और परेश धानाणी के अल. ावा गुजरात कांग्रेस के नेता अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल, कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल समेत अन्य नेताओं ने केशूभाई पटेल को शोकाजंलि दी और उनके सार्वजनिक जीवन में बहुमूल्य योगदान को याद कियां

अहमदाबाद की महापौर की जबान फिलसली, धारा 370 को बताया धारा 360

सुरेन्द्रनगर, गुजरात विधानसभा की रिक्त 8 सीटों पर होनेवाले उप. चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस जोरशोर से प्रचार में जुटी हुई हैं। सुरेन्द्रनगर के सायला में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए अहमदाबाद की महापौर बीजल पटेल की जबान फिसल गई और उन्होंने धारा 370 को धारा 360 बता दियाद्य सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग बीजल पटेल के ज्ञान पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल बीजल पटेल सुरेन्द्रनगर जिले के लीमडी सीट से भाजपा प्रत्याशी किरीटसिंह राणा के समर्थन में प्रचार करने गई थीं। जहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए बीजल पटेल ने भाजपा की राज्य और केन्द्र सरकार सरकार द्वारा किए गए कार्यो का उल्लेख करते हुए जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाने के बारे में भी बतायाद्य हांलाकि उन्होंने धारा 370 के बजाए धारा 360 का उल्लेख कियाद्य उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर से धारा 360 तब हटाई गई जब भाजपा की सरकार में दिल्ली की गद्दी पर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह बैठे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल बीजल पटेल के इस वीडियो का फिलहाल लोग मजे ले रहे

कैबिनेट की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल को श्रद्धाजंलि दी गई

क्रांति समय समाचार

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में गुरुवार को गांधीनगर में उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों की हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता स्व. केशुभाई पटेल के निधन पर गहरा खेद और दुःख व्यक्त किया गया। राज्य मंत्रिमंडल ने इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. केशुभाई पटेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया। शोक प्रस्ताव में राज्य मंत्रिमंडल ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य के दिग्गज राजनेता श्री केशुभाई पटेल के अहमदाबाद स्थित स्टर्लिंग हॉस्पिटल में 29 अक्टूबर, 2020 को 92 वर्ष की उम्र में हुए दुःखद निधन पर गहरा खेद व्यक्त किया है। श्री केशुभाई पटेल का जन्म 24 जुलाई, 1928 को जूनागढ़ जिले के विसावदर में हुआ था। वे महज 17 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जुड़े थे। उन्होंने भारतीय जनसंघ से राजनीति की शुरुआत की थी।

वे 1977 में पहली बार लो. कसभा के सदस्य के तौर पर चुने गए थे। उसके बाद 1977 से 1980 तक राज्य के कृषि मंत्री के रूप में तथा 1990 में नर्मदा, जल संसाधन, परिवहन और बंदरगाह विभाग के मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

1979 में मोरबी में मच्छु बांध त्रासदी के दौरान उन्होंने उत्कृष्ट कार्य किया था। श्री केशुभाई पटेल 1978 से 1995 तक कालावाड़, गोंडल और विसावदर विधानस. भा क्षेत्र से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए थे।

1980 में श्री केशुभाई पटेल भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे थे। 1995 में पहली बार उनके नेतृत्व में राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ था और उन्होंने राज्य के 10वें मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी सेवाएं दी थीं। 1998 में केशुभाई दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य के किसानों और गांवों के विकास के साथ गुजरात के सर्वांगीण विकास के लिए कई योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की थी।

वर्ष 2001 में आए भूकंप के समय उनके द्वारा गुजरात को (विशेषकर कच्छ जिले को) उबारने के लिए किया गया कार्य अत्यंत प्रशंसनीय रहा था। वे वर्ष 2002 में राज्यसभा के सांसद के तौर पर निर्वाचित हुए।

श्री केशुभाई पटेल वर्तमान में श्री सोमनाथ ट्रस्ट के चेयरमैन के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के हरेक स्तर में जनसेवा को ही प्राथमिकता दी थी। उनका राजनीतिक करियर पूरे राज्य के लिए गर्व के समान था।

जिनकी चिरविदाई से गुजरात के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में व्याप्त शून्य को भरने का कोई विकल्प नहीं है, ऐसे स्व. श्री केशुभाई पटेल के निधन पर राज्य मंत्रिमंडल, गुजरात की जनता और सरकार गहरा दुःख और शोक संवेदनाएं व्यक्त करता है।

मंत्रिमंडल आज की बैठक में स्व. श्री केशुभाई पटेल की आत्मा को परम शांति मिले ऐसी ईश्वर से प्रार्थना के साथ दो मिनट का मौन रखते हुए दिवंगत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

दिवंगत स्व. केशुभाई पटेल की आत्मा की परम शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना के साथ मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत को भावांजलि अर्पित की।

गुजरात में भाजपा सरकार 1995 में केशूभाई के नेतृत्व में पहली बार बनी थी

क्रांति समय समाचार

अहमदाबाद गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के भीष्म पितामह का आज 92 साल की आयु में अहमदाबाद निधन हो गया। संघ की राजनीतिक प्रयोगशाला में पले बढ़े केशूभाई पटेल की गुजरात में भाजपा की सियासी जमीन तैयार करने में खास भूमिका रही है। जूनागढ़ जिले के विसावदर में 24 जुलाई 1928 को जन्मे केशूभाई पटेल ने केवल 7वीं तक पढ़ाई की थी। 1945 में केवल 17 वर्ष की आयु में वे प्रचारक के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में शामिल हो गए। 1975 के आपातकाल के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। 1960 के दशक में उन्होंने जनसंघ के लिए एक कार्यकर्ता के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया। वह इसके संस्थापक सदस्यों में से एक थे। आपातकाल के बाद 1977 में वह राजकोट निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और गुजरात की बाबूभाई पटेल की जनता मोर्चा सरकार में 1978 से 1980 तक कृषि मंत्री के रूप में कार्य किया। 1978 और 1995 के बीच वे कालावड, गोंडल और विसावदर से विधानसभा चुनाव जीते। 1980 में जब जनसंघ पार्टी को भंग कर दिया गया तो वह नवनिर्मित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ आयोजक बने। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खिलाफ चुनाव अभियान का आयोजन किया और उनके नेतृत्व में 1995 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 182 सीटों में से 121 सीटों पर जीत हासिल हुई। 14 मार्च 1995 को वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने परन्तु सात महीने बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि उनके सहयोगी शंक. रसिंह वाघेला ने उनके खिलाफ विद्रोह किया और सुरेश मेहता उन्हें सर्वसम्मति मुख्यमंत्री बनाने में सफल रहे। भाजपा से अलग होकर शंकरसिंह वाघेला ने राष्ट्रीय जनता पार्टी (आरजेपी) का गठन किया था, और कांग्रेस के समर्थन के साथ अक्टूबर 1996 में वह मुख्यमंत्री बने। लेकिन 1998 में कांग्रेस ने शंकरसिंह वाघेला को दिया अपना समर्थन वापस ले लिया और आरजेपी की सरकार गिर गई। 1998 के विधानसभा चुनावों में केशूभाई पटेल की अगुवाई में भाजपा पुनः सत्ता में लौट आई और वह फिर 4 मार्च 1998 को गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2 अक्टूबर 2001 को पटेल ने अपने ख़राब स्वास्थ्य के कारण मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। सत्ता के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और खराब प्रशासन के आरोप, 2001 के गुजरात में भूकंप के दौरान राहत कार्यों में कु प्र ब ंध ान के साथ–साथ उप–चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की हार और भाजपा सीटों के नुकसान ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को गुजरात के मुख्यमंत्री के नए उम्मीदवार की तलाश करने के लिए मजबूर कर दिया। केशूभाई पटेल के इस्तीफे के बाद नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2009 में केशूभाई पटेल ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। वह 2002 में राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। 2007 के विधानसभा चुनावों में, उन्होंने पाटीदार समाज से परिवर्तन के लिए मतदान करने का आग्रह किया।

भाजपा ने फिर से स्पष्ट बहुमत के साथ चुनाव जीती और मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाई। 2012 में उन्होंने अपनी भाजपा सदस्यता को नवीनीकृत नहीं किया। उन्होने 4 अगस्त 2012 को भाजपा से इस्तीफा दे दिया और 2012 गुजरात विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए गुजरात परिवर्तन पार्टी (जीपीपी) का गठन किया। 2012 के विधानसभा चुनाव में विसावदर सीट से भाजपा प्रत्याशी कनुभाई के खिलाफ केशूभाई पटेल की जीत हुई ।हांलाकि केशूभाई की पार्टी में राज्य में केवल दो सीटों पर ही जीत मिली थी।

उन्होंने जनवरी 2014 में जीप. ीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और बाद में 13 फरवरी 2014 को अपने बीमार स्वास्थ्य के कारण गुजरात विधानसभा के सदस्य के रूप में इस्तीफा दे दिया। 24 फरवरी 2014 को भाजपा के साथ जीपीपी का विलय हो गया।

केशूभाई पटेल ने गुजरात में भाजपा के लिए जो नींव रखी थी वह आज तक डगमगाई नहीं है। शंकरसिंह वाघेला के कुछ महीनों के शासन को छोड़ भाजपा पिछले 25 सालों से गुजरात की सत्ता पर काबिज है।

पीएम मोदी आज गुजरात आएंगे, गांधीनगर में केशूभाई पटेल से मिलेंगे

क्रांति समय समाचार

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली से अहमदाबाद आएंगे और एयरपोर्ट से सीधे गांधीनगर जाएंगे। जहां केशूभाई पटेल के परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देंगे। पहले 30 अक्टूबर को पीएम मोदी दिल्ली को सीधे केवडिया कॉलोनी जाने का कार्यक्रम था और वहां 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित एकता दिवस समारोह में शामिल होने के पश्चात केवडिया से अहमदाबाद के बीच सी प्लेन सेवा का शुभारंभ करना थाद्य केवडिया से सी प्लेन में सवार होकर पीएम मोदी को अहमदाबाद आना था। लेकिन गुरुवार को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता केशूभाई पटेल के निधन से पीएम मोदी के कार्यक्रम में फेरबदल हुआ है। अब पीएम मोदी दिल्ली से सीधे अहमदाबाद एयरपोर्ट उतरेंगे। सुबह 10.30 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट से पीएम मोदी केशूभाई पटेल के गांधीनगर स्थित निवास जाएंगे। जहां उनके परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देंगे। केशूभाई पटेल के परिवार से मिलने के बाद पीएम मोदी केवडिया के लिए रवाना होंगे। पीएम मोदी के आगमन के चलते अहमदाबाद से गांधीनगर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट तक आज कॉन्वॉय रिहर्सल भी किया गया।

सार–समाचार

शिक्षा के बहान स्कूल बुलाकर 10 की छात्रा से छेड़छाड़, आचार्य गिरफ्तार

जामनगर,जिले के पांचदेवडा स्कूल में ऑनलाइन शिक्षा के बहाने 10 साल की छात्रा से शारीरिक छेड़छाड़ की घटना सामने आई हैं। पुलिस ने स्कूल के आचार्य को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की हैं। जानकारी के मुताबिक जामनगर जिले की कालावड तहसील के पांचदेवडा स्कूल के आचार्य बाबु संघाणी ने 10 वर्षीय छात्रा को ऑनलाइन शिक्षा के बहाने स्कूल बुलाया थां। स्कूल पहुंची छात्रा के साथ बाबु संघाणी ने शारीरिक छेड़छाड़ कीद्य छात्रा ने घटना की अपने माता–पिता से शिकायत कीं। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांचदेवडा स्कूल के आचार्य बाबु संघाणी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लियां।

राज्यपाल की स्व. केशूभाई पटेल को श्रद्धाजंलि

अहमदाबाद,गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री केशूभाई पटेल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सदगत को श्रद्धाजंलि दी हैं। श्रद्धाजंलि देते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्व. केशूभाई पटेल सही अर्थ में लोगों के नेता थे। गुजरात के सर्वांगीण विकास में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्व. केशूभाई पटेल ने अपना समग्र जीवन राष्ट्रहित के कार्य के लिए अर्पण किया था। गुजरात का सर्वांगीण विकास ही केशूभाई पटेल का लक्ष्य था। केशूभाई पटेल के निधन से गुजरात के सार्वजनिक जीवन को अपूर्णीय क्षति हुई है। उनके निधन से परिवार पर आई असहनीय पीड़ा सहन करने की परम कृपालु परमात्मा शक्ति प्रदान करे और सदगत की आत्मा को चिर शांति दे।

गुजरात में कांग्रेस सरकार जाने के बाद ऐतिहासिक विकास यात्रा शुरू हुईः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस सरकार के जाने के बाद राज्य की ऐतिहासिक विकास यात्रा शुरू हुई। लींबडी और मोरबी में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी चुनाव में जनता कांग्रेस को उसकी जगह बता देगी।

कांग्रेस की पराजय तय है और हार देख रही कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दे नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज अपने पूर्व विधायकों को दलबदलु कह रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने भाजपा से कांग्रेस में गए शंकरसिंह वाघेला को गुजरात कांग्रेस का अध्यक्ष और विपक्ष के नेता बनाया था। यह वही कांग्रेस है जिसने बाबुभाई जशुभाई पटेल के नेतृत्व वाली सरकार गिराई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आठ विधायक कांग्रेस नेतृत्व की निष्फलता, गुटबाजी और एक ही परिवार की भक्ति करने की परंपरा के कारण कांग्रेस से अलग हुए हैं। महात्मा गांधी की कांग्रेस कब से खत्म हो चुके हैं और वर्तमान कांग्रेस राहुल गांधी की है। कांग्रेस भ्रष्टाचार, गरीबी और बेरोजगारी का पर्याय बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू ने वर्षो पहले कहा था 'आराम हराम है' लेकिन देश में बेरोजगारी के लिए कुछ नहीं किया। नारा देकर नेहरू ने केवल आराम किया था। कांग्रेस ने वर्षो तक धर्म–संप्रदायों, जात–पात में झगड़ा करवा, वर्ग विग्रह और वोट बैंक की राजनीति कर देश को लूटने का काम किया है। रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस में शासन में गुंडे और असामाजिक तत्वों का आश्रय स्थल कांग्रेस के मंत्रियों का निवास था।

राज्य के नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस करते थे। लेकिन आज गुंडे गुंडागिरी छोड़े या गुजरात छोड़े के संकल्प के साथ राज्य सरकार ने नए कड़े कानून बनाए हैंद्य कांग्रेस के दिशाहीन शासन और कमजोर कानूनों की वजह से राज्य के गरीब, मध्यम वर्ग और किसान समेत शहरी नागरिकों की संपत्ति भूमाफिया हड़प लेते थे। राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार ने ऐसे भूमाफियाओं के खिलाफ कड़ा कानून बनाया है ताकि निर्दोष व्यक्ति की संपत्ति कोई हड़पने की हिम्मत नहीं करे।

राज्य में कोरोना के 987 नए केस, 1083 डिस्चार्ज, रिकवरी रेट 90.08 प्रतिशत

अहमदाबाद, गुजरात में आज कोरोना के 987 नए केस सामने आए और 1083 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। इसी के साथ राज्य में रिकवरी रेट 90.08 प्रतिशत पर पहुंच गया। राज्य में आज 4 लोगों की मौत के साथ कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 3708 पर पहुंच गई है।

बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 162, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 159, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 79, राजकोट कॉर्पोरेशन में 57, सूरत में 51, राजकोट में 39, वडोदरा में 38, मेहसाणा में 33, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 27, कच्छ में 21, साबरकांठा में 20, जामनगर कॉर्पोरेशन में 18, सुरेन्द्रनगर में 18, गांधीनगर में 17, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 17, अमरेली में 15, गिर सोमनाथ में 15, जूनागढ़ में 13, पंचमहल में 13, अहमदाबाद में 12, भावनगर कॉर्पोरेशन में 12 और खेडा में 12 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 987 नए केस दर्ज हुए। 24 घंटों में 1083 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया।

इस दौरान सूरत कॉर्पोरेशन और सूरत, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन और गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत राज्य में चार मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज 52989 समेत राज्यभर में अब तक 5950616 लोगों का टेस्ट किया गया और उसमें 171040 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए।

इनमें से 154078 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं और 3708 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी हैद्य राज्य में फिलहाल 13254 एक्टिव केसों में 13193 लोग स्टेबल हैं और 61 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

खट्टर ने केशुभाई पटेल के निधन पर जताया शोक. कहा- भाजपा व भारतीय राजनीति को हुई अपूरणीय क्षति

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के निधन पर दुख जताते हुए कहा है कि उनकी मृत्यु से भाजपा और भारतीय राजनीति को अपूरणीय क्षति हुयी है। गुजरात में भाजपा का जनाधार बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाले केशुभाई पटेल का लंबी बीमारी के बाद बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में निधन हो गया। पटेल 92 वर्ष के थे। वह 1995 और फिर 1998 से 2001 के बीच राज्य के मुख्यमंत्री रहे। खट्टर ने अपने शोक संदेश में कहा कि पटेल की मृत्यु भाजपा और भारतीय राजनीति, खासकर गुजरात के लिए अपूरणीय क्षति है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ मुठभेड़, महिला नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र में बुधवार को दुलेड़ और मिनपा गांव के मध्य जंगल में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को चिंतागुफा थाना क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, डीआरजी, एसटीएफ और जिला बल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल अरबराजमेट्टा, कोयामेट्टा, पातादुलेड़ और ताड़मेटला गांव के जंगल की ओर रवाना हुआ था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सुबह लगभग 10 बजे दुलेड़ और मिनपा गांव के मध्य जंगल में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए और बाद में जब सुरक्षा बलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां से एक महिला माओवादी का शव, एक 303 रायफल, भारी मात्रा में विस्फोटक, नक्सल सामग्री तथा दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

प्रियंका ने मायावती पर साधा निशाना, पूछा- इसके बाद भी कुछ बाकी है ?

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने विधान परिषद चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को हराने के लिए भाजपा या किसी भी अन्य दल को समर्थन देने संबंधी बसपा प्रमुख मायावती के बयान को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या इसके बाद भी कुछ बाकी रह गया है। प्रियंका ने मायावती के बयान का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ''इसके बाद भी कुछ बाकी है?'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कुछ महीने पहले भी मायावती को इशारों-इशारों में 'भाजपा का अघोषित प्रवक्ता' बताया था। गौरतलब है कि मायावती ने अपने कुछ विधायकों के पाला बदलने की अटकलों के बीच बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला और कहा कि भविष्य में विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव में सपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए उनकी पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा जरूरत पड़ी तो भाजपा या किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। एक बयान में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आगामी विधान परिषद चुनाव में सपा के दूसरे उम्मीदवार को हराने के लिए बसपा पूरी ताकत लगाएगी।

नौसेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन देने के लिए केंद्र को 31 दिसंबर तक की मोहलत दी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय नौसेना में महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के वास्ते अपना आदेश लागू करने के लिए समय-सीमा को बृहस्पतिवार को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। शीर्ष अदालत ने 17 मार्च को कहा था कि महिला और पुरुष अधिकारियों के साथ एक जैसा बर्ताव होना चाहिए, जिससे नौसेना में महिलाओं के स्थायी कमीशन का रास्ता साफ हो गया था। न्यायालय ने साथ में केंद्र से तीन महीने में इस बाबत तौर-तरीकों को पूरा करने को कहा था। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की पीठ ने कहा कि वे शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को नौसेना में स्थायी कमीशन देने के समय को 31 दिसंबर तक बढ़ा रही है। केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी का हवाला देकर जून में एक आवेदन दायर कर समय-सीमा को छह महीने बढ़ाने का आग्रह किया था।

प्रदूषण से 'जंग' में दिल्ली सरकार का एक और कदम, शिकायतों के निपटारे के लिए शुरू किया एप

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को 'ग्रीन दिल्ली' मोबाइल ऐप की शुरुआत की जिसके इस्तेमाल से लोग प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की जानकारी सरकार को दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण से मुकाबला करने के लिए सरकार सभी को इस अभियान में शामिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि लोगों की सहायता के बिना कोई बड़ा बदलाव नहीं आ सकता। केजरीवाल ने कहा कि लोग कूड़ा जलाने, औद्योगिक प्रदूषण, धूल इत्यादि जैसी प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की तस्वीर खींचकर या उसका वीडियो बनाकर ऐप पर अपलोड कर सकते हैं।

कश्मीर से आतंकवाद के खात्मे के बाद अब देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंकने की तैयारी : योगी

दरौंदा (सिवान)। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजद-कांग्रेस-भाकपा माले महागठबंधन पर बिहार में दोबारा 'जंगलराज' लाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कश्मीर से आतंकवाद के खात्मे के बाद देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंकने की तैयारी चल रही है। योगी आदित्यनाथ ने सिवान में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खास तौर पर अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण, एक बार में तीन बार तलाक के खिलाफ कानून बनाने एवं जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बिहार के विकास के लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व में पुन- सरकार बनाए जाने पर बल दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, '' याद कीजिये, कुछ वर्षों पहले बिहार के सामने पहचान का संकट था। जंगलराज की स्थिति किन लोगों ने पैदा की थी? आज वे फिर से ताक में हैं।इन जातिवादी और वंशवादी ताकतों को परास्त करना है।''

विपक्ष, खास तौर पर राजद पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि चुनाव में मतदान के जरिये जातिवादी एवं वंशवादी ताकतों को परास्त करना है। तेजस्वी यादव का नाम लिये बिना योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से 15 साल पहले बिहार के युवा अपनी पहचान छुपाने के लिए मजबूर थे और ऐसा संकट पैदा करने वाले लोग आज बिहार में फिर से रोजगार का झुनझुना दिखाकर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, '' जातिवाद के नाम पर परिवारवाद को बढ़ावा देकर और परिवारवाद के जरिये भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर इन्होंने बिहार को बर्बाद कर दिया। '' उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं की प्रतिभा का पूरी दुनिया लोहा मानती है, लेकिन जातिवादी एवं परिवारवादी ताकतों ने राज्य के युवाओं की प्रतिभा को कुंद किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 15 वर्षों में बिहार को विकास के पथ पर ला कर आगे बढ़ाया गया है।

विपक्षी महागठबंधन पर तीखा प्रहार हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और राजद ने समाज विरोधी और हिंसा फैलाने वाली ताकतों से गठजोड़ किया है और ये राज्य में विकास को बाधित करना चाहते हैं। राजद-कांग्रेस-भाकपा माले महागठबंधन बिहार में दोबारा 'जंगलराज' लाना चाहते हैं।'' योगी ने कहा, ''लेकिन वे सुन लें कि कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के बाद अब नक्सलवाद को देश से उखाड़ फेंकने की तैयारी चल रही है। अब भारत की धरती पर नक्सलवाद का निशान नहीं रहेगा।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा ''अयोध्या में जब राम मंदिर बनाने की बात चलती थी तब लोग पूछते थे कि मंदिर कब बनेगा। 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य राम मंदिर का शिलान्यास किया और हमने 500 वर्षों की टीस को दूर करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि माता सीता के बिना राम अधूरे हैं, ऐसे में मेरी इच्छा थी कि उनके मायके बिहार के हर गांव से लोग समारोह में आए लेकिन कोरोना के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। लेकिन हम कहना चाहते हैं कि तीन-चार वर्षों में जब मंदिर बन जायेगा तब बिहार के लोगों को अयोध्या बुलाने की व्यवस्था

होगी। कश्मीर का उल्लेख करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने ऐसी व्यवस्था की थी कि कोई वहां जमीन नहीं खरीद सकता था लेकिन अब बिहार का भी कोई व्यक्ति कश्मीर में जमीन खरीद सकता है।

100 साल में पहली बार डीयू के कुलपति को किया गया निलंबित, राष्ट्रपति ने दिए जांच के आदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश त्यागी को बुधवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के आदेश पर निलंबित कर दिया गया है। प्रो कुलपति पीसी जोशी अब दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 के नियमों और विनियमों के अनुसार त्यागी की जगह लेंगे। बता दें कि डीयू के 100 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि किसी कुलपति को निलंबित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ने त्यागी पर लगे आरोपों के खिलाफ जांच का आदेश दिया है और उन्हें निलंबन के तहत रखा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जांच निष्पक्ष तरीके सी की जा रही है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित भी किया गया है कि वह रिकॉर्ड और गवाहों के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सके।त्यागी, जिनका कार्यकाल मार्च 2021 को समाप्त होने वाला था, उनके खिलाफ कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण की कमी का आरोप भी लगाया गया है।

साथ ही, मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, उनकी अनुपस्थिति की अवधि के दौरान त्यागी की स्वीकृति के साथ या जारी किए गए सभी आदेश अमान्य रहेंगे। त्यागी 2 जुलाई से छुट्टी पर हैं, जब उन्हें एमरजेंसी मेडिसिन हालत में एम्स में भर्ती कराया गया था। सरकार ने 17 जुलाई को जोशी को वीसी का पदभार दिया था, जब तक कि त्यागी ने फिर से कार्यालय शुरू नहीं कर दिया था।डीयू टीचर्स एसोसिएशन के मुताबिक, उन्होंने जून 2019 में इस मामले पर एक पत्र भी जारी किया था। उनके मुताबिक इस पर एक्शन जल्द लेना चाहिए था।

अभिनंदन पर खुलासे के बाद नड्डा का राहुल पर हमला, कहा- भारत की किसी चीज पर भरोसा नहीं तो पाकिस्तान से खुद सुन लें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सशस्त्र बलों का ''मजाक'' उड़ाने के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला और एक कथित वीडियो का हवाला देते हुए उन पर निशाना साधा जिसमें एक पाकिस्तानी सांसद कह रहे हैं कि विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को इस्लामाबाद ने इसलिए रिहा किया क्योंकि उसे भारत के हमले का डर सता रहा था। नड्डा द्वारा ट्वीट किए गए वीडियो में एक पाकिस्तान सांसद यह कहते सुने जा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल बाजवा की उपस्थिति में हुई एक बैठक में विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि अभिनंदन को रिहा नहीं किया गया तो ''हिन्दुस्तान नौ बजे रात को पाकिस्तान पर हमला कर रहा है''। वर्ष 2019 में भारत द्वारा बालाकोट में किए गए हवाई हमले के बाद एक हवाई युद्ध के क्रम में अभिनंदन पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे, जहां उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। वीडियो में पाकिस्तानी सांसद कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अभिनंदन की क्या बात करते हैं। मुझे याद है शाह महमूद कुरैशी साहब उस मीटिंग में थे।

प्रधानमंत्री साहब ने उसमें आने से इंकार कर दिया, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ तशरीफ लाए। पैर कांप रहे थे, पसीने माथे पर थे और हमसे फॉरेन मिनिस्टर शाह महमूद साहब ने कहा कि खुदा के वास्ते अब इसको वापिस जाने दें क्योंकि नौ बजे रात को हिन्दुस्तान पाकिस्तान पर हमला कर रहा है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नड्डा ने वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, ''कांग्रेस के युवराज ना तो हमारी सेना, ना हमारी सरकार और ना ही हमारे नागरिकों पर विश्वास करते हैं। उनके लिए उनके 'सबसे विश्वसनीय देश' पाकिस्तान की तरफ से पेश है। उम्मीद है कि अब उन्हें समझ आएगा।'' कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने अपना पूरा चुनावी अभियान हमारे सशस्त्र बलों को कमजोर करने के इर्दगिर्द रखा। उसने सशस्त्र बलों का मजाक उड़ाया, उनके शौर्य पर सवाल उठाया और हर वह दांव चला ताकि भारत को राफेल विमान न मिल सके। देश के लोगों ने ऐसी राजनीति को नकार दिया और कांग्रेस को सजा दी।

बसपा ने 7 बागी विधायकों को निकाला, मायावती बोलीं- सपा को हराने के लिए बीजेपी को भी दे सकते हैं वोट

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी के सात बागी विधायकों को निलंबित कर दिया। इन विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशी रामजी गौतम के नामांकन का विरोध किया था। मायावती ने अपने कुछ विधायकों के पाला बदलने की अटकलों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा और कहा कि भविष्य में विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव में सपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए उनकी पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा जरूरत पड़ी तो भाजपा या किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही बागी विधायक किसी भी अन्य पार्टी में शामिल होते हैं तो बसपा उनके खिलाफ दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को सूचित किया गया है कि निलंबित विधायकों को पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए। मायावती ने एक बयान में कहा कि भविष्य में सपा उम्मीदवारों को हराने के लिए बसपा पूरी ताकत लगाएगी और जरूरत पड़ी तो भाजपा या किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। बसपा को बुधवार को उस समय झटका लगा था जब पार्टी के छह विधायकों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी और इसके बाद उन्होंने संकेत दिये थे कि वे पार्टी बदल सकते हैं। इसके साथ ही इनमें से चार विधायकों ने हलफनामा दायर कर कहा कि बसपा के राज्यसभा उम्मीदवार रामजी गौतम की उम्मीदवारी के प्रस्तावक के तौर पर उनके हस्ताक्षर ''फर्जी'' है।

केरल में एम शिवशंकर की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस और भाजपा का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल में कांग्रेस और भाजपा ने सोना तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के पूर्व प्रधान सचिव एम शिवशंकर की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस और भाजपा के युवा मोर्चा ने राज्य सचिवालय के सामने प्रदर्शन किया और भाजपा की महिला मोर्चा की कुछ कार्यकर्ता परिसर के भीतर घुसने में कामयाब हो गयीं। पुलिस ने मुख्यमंत्री के कार्यालय, नार्थ ब्लॉक वाले हिस्से से कार्यकर्ताओं को हटा दिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता रमेश चेन्नीतला ने विजयन का इस्तीफा मांगा और दावा किया कि जांच मुख्यमंत्री तक पहुंचेगी।

उन्होंने कहा, ''मामले में मुख्यमंत्री मुख्य आरोपी हैं। केरल ने अपने इतिहास में ऐसा कुशासन कभी नहीं देखा।'' चेन्नीतला ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''ऐसी भी खबरें आयी हैं कि दो अन्य अधिकारी भी जांच एजेंसियों के घेरे में हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री खुद को कैसे पाक साफ बता सकते हैं।'' भाजपा के प्रदेश प्रमुख के सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि दो अन्य मंत्री भी मामले में संलिप्त थे और शिवशंकर ने सीमा शुल्क के अधिकारियों को धमकाया था। उन्होंने कहा, ''शिवशंकर ने अपने निजी फोन और कार्यालय के फोन से कई बार सीमा शुल्क के अधिकारियों को फोन किया और उन्हें धमकाया। मुख्यमंत्री से पूछताछ होनी चाहिए।'' एर्नाकुलम जिले की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को बृहस्पतिवार को शिवशंकर की सात दिनों की हिरासत प्रदान की। शिवशंकर को पिछली रात गिरफ्तार किया गया था। तिरूवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पांच जुलाई को 'राजनयिक सामान' से करीब 15 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया था। मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा शुल्क विभाग और प्रवर्तन निदेशालय अलग-अलग जांच कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति नायडू ने सशक्त और हरित भारत का किया आह्वान, जानिए क्या कुछ कहा

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जारी रहने की जरूरत है, क्योंकि ''हमें केवल सशक्त भारत की ही नहीं, बल्कि हरित भारत की भी जरूरत है।'' उन्होंने वित्त आयोगों और स्थानीय निकायों से कर प्रोत्साहन के जरिए हरित इमारतों को बढ़ावा देने का आग्रह भी किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी नई इमारतों को अनिवार्य रूप से हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने का समय आ गया है। सीआईआई की 'ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा इमारतों को भी पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए ऊर्जा दक्षता और जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाली हरित गतिविधियों को अपनाते हुए 'रेट्रोफिट' (पुरानी चीज को ही नया रूप देना) किया जाना चाहिए। उन्होंने टिकाऊ इमारतों को लचीले समुदायों के निर्माण का एक महत्वपूर्ण घटक बताया और कम कार्बन प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग और संवर्धन का आह्वान किया। आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, ''हमें केवल एक मजबूत भारत ही नहीं, बल्कि हरित भारत भी चाहिए।'' सूखा, बाढ़ और जंगल में आग लगने जैसी बढ़ती जलवायु घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए नायडू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन दिन के उजाले की तरह वास्तविक है और दुनिया भर के देशों को 'ग्लोबल वॉर्मिंग' की समस्या को कम करने के लिए कठोर और क्रांतिकारी उपाय अपनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम प्रकृति का ध्यान रखेंगे तो प्रकृति हमारा ध्यान रखेगी।

2016 में हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट, डॉक्टरों ने राजनीति में प्रवेश नहीं करने की दी सलाह: रजनीकांत

चेन्नई। (एजेंसी)।

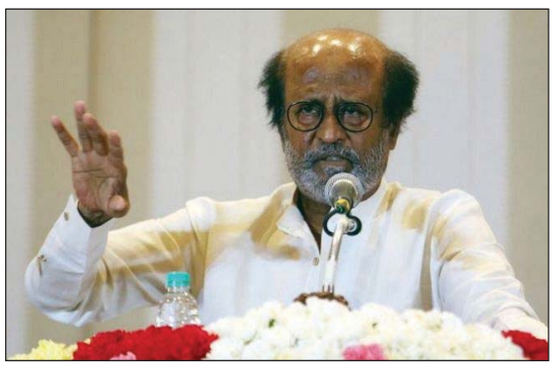

अभिनेता रजनीकांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि किडनी का प्रतिरोपण कराने और कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर डॉक्टरों ने उन्हें राजनीति में प्रवेश नहीं करने की सलाह दी है। रजनीकांत ने कहा कि वह अपने संगठन 'मंदरम' के पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर उपयुक्त समय पर घोषणा करेंगे कि वह राजनीति में प्रवेश करेंगे या नहीं।

रजनीकांत ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा कि सोशल मीडिया पर आए एक बयान को उन्होंने जारी नहीं किया था, जिसमें संकेत दिया गया कि वह अपनी स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए राजनीति में प्रवेश करने पर फिर से विचार कर सकते हैं। हालांकि अभिनेता ने कहा कि उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी और डॉक्टरों द्वारा उनको दी गयी सलाह से संबंधित सूचना 'सही थी।'

अभिनेता ने कहा, ''हर कोई जानता है कि यह मेरा बयान नहीं था। हालांकि मेरे स्वास्थ्य की स्थिति और डॉक्टरों द्वारा मुझे दी गयी सलाह के बारे में सूचना सही थी।'' कथित 'बयान' में कहा गया था वर्ष 2016 में किडनी प्रतिरोपण कराने और कोरोना वायरस महामारी के प्रसार के कारण डॉक्टरों ने रजनीकांत को राजनीति में प्रवेश नहीं करने की सलाह दी है।

'बयान' में कहा गया था कि उन्होंने किडनी से संबंधित दिक्कतों के समाधान के लिए 2011 में सिंगापुर के एक अस्पताल में उपचार कराया था और बाद में मई 2016 में अमेरिका के एक अस्पताल में किडनी प्रतिरोपण कराया। अभिनेता द्वारा 'मंदरम' संगठन की शुरुआत को राजनीति में प्रवेश से पहले की तैयारी के तौर पर देखा गया था।

बिहार के मुंगेर में हिंसा, एसपी लिपि सिंह और डीएम हटाए गए

पटना/मुंगेर। (एजेंसी)।

बिहार के मुंगेर जिले में सोमवार रात देवी दुर्गा की मूर्ति विर्सजन को लेकर झड़प के दौरान कथित तौर पर हुई पुलिस गोलीबारी में एक युवक की मौत को लेकर बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित शहर में अन्य स्थानों पर तोड़फोड़ की गई और वाहनों को आग लगा दिया गया। वहीं निर्वाचन आयोग ने जिलाधिकारी राजेश मीणा और पुलिस अधीक्षक लिपि सिंह को तत्काल हटाने के साथ मगध प्रमंडल के आयुक्त असंगबा चुबा एओ को पूरी घटना की जांच करने का आदेश दिया है। अपर निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने इन दोनों अधिकारियों को तत्काल हटाने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने मगध प्रमंडल के आयुक्त असंगबा चुबा एओ को पूरी घटना की जाँच अगले सात दिनों में करने का आदेश दिया है। सिंह ने कहा कि मुंगेर में आज ही नए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को तैनात किया जाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के एक दिन पहले मुंगेर जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय चौक पर सोमवार देर रात देवी दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई गोलीबारी और पथराव में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और सुरक्षाकर्मियों सहित दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस द्वारा की गयी गोलीबारी में 20 साल के एक युवक की मौत हुई। इस बारे में मुंगेर के जिलाधिकारी राजेश मीणा ने कहा था कि वह भीड़ के बीच से किसी के द्वारा चलाई गई गोली से मारा गया था। पुलिस अधीक्षक लिपि सिंह ने कहा था, कुछ असामाजिक तत्वों ने दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान पथराव किया, जिसमें 20 जवान घायल हो गए। भीड़ की तरफ से गोलीबारी भी की गई जिसमें दुर्भाग्य से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

घटना के एक कथित वीडियो में सुरक्षाकर्मियों को विसर्जन जुलूस में लोगों के एक समूह पर लाठीचार्ज करते दिखाया गया था। साथ ही सोशल मीडिया पर एक विचलित करने वाली तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें इस घटना में कथित तौर पर पुलिस गोलीबारी में मारे गए व्यक्ति को उसकी खोपड़ी के खुले हिस्से के साथ जमीन पर पड़ा दिखाया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए जाने के दौरान मूर्ति को ले जाने केबांस से बने वाहक के टूट जाने के बाद दिक्कत शुरू हो गई थी और इसे ठीक करने में समय लग रहा था। मूर्ति को ले जाने वाले वाहक की मरम्मत में हुई देरी के कारण अन्य मूर्ति जुलूस रास्ते में फंसे हुए थे। प्रशासन चाहता था कि जुलूस जल्दी से जल्दी निकले क्योंकि सुरक्षाकर्मियों को बुधवार को चुनाव ड्यूटी पर तैनात किया जाना था। इस घटना के बाद जिले में तनाव बढ़ गया है और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती से ऐसा लग रहा है कि मुंगेर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को हुए मतदान पर इसका असर पड़ा है। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में प्रदेश के 71 विधानसभा सीटों पर बुधवार को हुए मतदान के औसत प्रतिशत (53.54) से कम मुंगेर में47.36 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि 2015 के चुनाव में यहां मतदान का प्रतिशत 52.24 रहा था। मुंगेर में बृहस्पतिवार को इस घटना के आक्रोश में स्थानीय लोगों ने किला क्षेत्र स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पथराव किया और एक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। किला क्षेत्र में ही स्थित अनुमंडल अधिकारी के गोपनीय शाखा में तोड़फोड़ की गई। भीड़ ने मुफस्सिल थाना, महिला थाना, वासुदेव पुलिस चौकी, पूरबसराय थाने में तोड़फोड़ एवं आगजनी की। अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेंद्र कुमार ने बताया कि मुंगेर में हालात पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त बल और पदाधिकारियों को भेजा गया है। मुंगेर के पुलिस उपमहानिरीक्षक मनु महाराज वहां हालात की निगरानी कर रहे हैं। मुंगेर जिले की पुलिस अधीक्षक लिपि सिंह जदयू के राज्यसभा सदस्य आरसीपी सिंह की बेटी हैं। बेगूसराय जिले में दूसरे चरण में तीन नंबर को मतदान होना है। आरसीपी सिंह के बुधवार को बेगूसराय पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। बेगूसराय से केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह लोकसभा सांसद हैं। उन्होंने मुंगेर की घटना की निंदा करते हुए कहा था कि अधिकारी चाहे कितने भी रसूख वाला हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। राजद के नेतृत्व वाले बिहार के विपक्षी महागठबंधन ने बुधवार को पटना में एक संवाददाता सम्मेलन करके इस घटना की ''उच्च न्यायालय- की निगरानी में जांच'' की मांग की थी। राजद नेता एवं इस चुनाव में विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी से सवाल किया था, ''मुंगेर पुलिस को 'जनरल डायर' की तरह काम करने की इजाजत किसने दी?'' कांग्रेस के प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''बिहार पुलिस की ओर से बर्बरता और क्रूरता की हर सीमा को पार किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)